www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 98.700g

चांदी 106.000 kg

2 कैसे सुरक्षित होगी हवाई यात्रा? अहमदाबाद विमान और उत्तराखंड हेलिकॉप्टर हादसे ने बढ़ाई चिंता

जंग में उतरा खामनेई का बेटा! इजरायल में भयंकर तबाही 06

वर्ष :17 | अंक :78 | प्रयागराज ,गुरूवार , 19 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

असम में आठ करोड़ रुपये का मादक पदार्थ जब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

असम के श्रीभूमि जिले में आठ करोड़ रुपये मूल्य का मादक पदार्थ जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मादक पदार्थ रोधी अभियान में श्रीभूमि पुलिस ने सदरशी में एक वाहन को रोका और आठ करोड़ रुपये मूल्य की याबा की 40,000 गोलियां जब्त कीं। एक तस्कर अब सलाखों के पीछे है। आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पहले ही शुरू कर दी गई हैं।

पेड़ से लटका मिला लड़की का शव, परिवार ने लगाया बलात्कार और हत्या का आरोप

ओडिशा के क्योंझर जिले में 17 वर्षीय एक लड़की का शव पेड़ से लटका मिला है और उसके परिवार ने सामूहिक बलात्कार के बाद उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लड़की शौच के लिए घर से बाहर गई थी लेकिन वह लौटी नहीं और बाद में उसका शव मिला। उसने बताया कि पुलिस ने सामूहिक बलात्कार और हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और इस घटना के सिलसिले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। इस घटना के कारण हरिचंदनपुर में तनाव फैल गया है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब हाल में गंजाम जिले के गोपालपुर समुद्र तट पर 20 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना हुई थी। पुलिस ने बताया कि क्योंझर जिले में लड़की सोमवार रात को शौच के लिए घर से बाहर गई थी लेकिन बाद में वह लापता हो गई और उसका मोबाइल फोन भी बंद था। उसने बताया कि अगली सुबह उसका रक्तरंजित शव गांव के पास एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से पुरुष के खून से सने कपड़े और कुछ अन्य सामान भी बरामद किया गया जिससे लड़की के परिवार को संदेह हुआ कि उसके साथ बलात्कार के बाद उसकी हत्या की गई है। लड़की के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि उनकी बेटी के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, उसकी हत्या की गई और बाद में शव को फांसी पर लटका दिया गया ताकि यह आत्महत्या लगे। अधिकतर महिलाओं समेत ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 70(2) (सामूहिक बलात्कार) और 103(1) (हत्या) तथा पॉक्सो (लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

कनाडा से क्रोएशिया पहुंचे पीएम मोदी, किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली आधिकारिक यात्रा

जगरेब पहुंचने पर भव्य स्वागत, भारतीय समुदाय ने वंदे मातरम और पारंपरिक नृत्य से किया अभिनंदन

तीन देशों की यात्रा का अंतिम पड़ाव

▸▸प्रधानमंत्री मोदी ने इस विदेश यात्रा की शुरूआत साइप्रस से की थी, इसके बाद वह कनाडा पहुंचे जहां उन्होंने जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया और विश्व नेताओं से संवाद किया। कनाडा से वे सीधे क्रोएशिया पहुंचे जो इस यात्रा का अंतिम चरण है।

एजेंसी

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री से मुलाकात,अहम द्विपक्षीय समझौते

इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात क्रोएशिया के राष्ट्रपति जोरान मिलनोविक और प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविक से होगी। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, तकनीकी, आर्थिक और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर विस्तार से बातचीत होगी।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की विदेश यात्रा के अंतिम चरण में बुधवार को क्रोएशिया की राजधानी जगरेब पहुंचे। यह यात्रा इसलिए ऐतिहासिक बन गई, क्योंकि यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की क्रोएशिया की पहली आधिकारिक यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी का जगरेब हवाई अड्डे पर क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविक ने स्वयं विशेष सम्मान के साथ स्वागत किया।

भारत-क्रोएशिया संबंधों में ऐतिहासिक मील का पत्थर

जगरेब में उतरने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी पर लिखा- थोड़ी देर पहले क्रोएशिया के जगरेब में उतरा। यह एक विशेष यात्रा है, किसी भारतीय प्रधानमंत्री की किसी मूल्यवान यूरोपीय साझेदार की पहली यात्रा। मैं हवाई अड्डे पर विशेष स्वागत के लिए प्रधानमंत्री प्लेंकोविक का आभारी हूं।भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी इसे एक ऐतिहासिक मील का पत्थर करार देते हुए कहा कि यह भारत-क्रोएशिया द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

भारतीय समुदाय ने किया स्वागत

प्रधानमंत्री मोदी जब होटल पहुंचे, तो भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। वंदे मातरम, भारत माता की जय जैसे नारों से माहौल देशभक्ति से भर गया। पारंपरिक भारतीय परिधानों में सांस्कृतिक नृत्य और मंत्रोच्चार भी किया गया, जिसने समारोह को और भी भावुक और गौरवपूर्ण बना दिया।

इस यात्रा से खुलेंगे द्विपक्षीय सहयोग के नए रास्ते

नई दिल्ली से रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था- हमारे दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध हैं। यह यात्रा हमारे संबंधों को नई ऊर्जा देगी और पारस्परिक हित के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करेगी।

फास्टैग को लेकर नितिन गडकरी का बड़ा ऐलान

अब 3,000 रुपये में मिलेगा एनुअल-पास

> गडकरी ने कहा कि सक्रियण की तारीख से एक वर्ष के लिए या 200 यात्राओं तक- जो भी पहले हो- वैध- यह पास विशेष रूप से गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए डिजाइन किया गया है।

एजेंसी

> गडकरी ने आगे कहा कि उपयोगकर्ता जल्द ही राजमार्ग यात्रा ऐप पर उपलब्ध एक समर्पित लिंक का उपयोग करके वार्षिक पास को सक्रिय और नवीनीकृत कर सकेंगे, साथ ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइटों के माध्यम से भी।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की कि 15 अगस्त, 2025 को 3,000 रुपये की कीमत वाला एक नया फास्टैग-आधारित वार्षिक पास लॉन्च किया जाएगा, जिससे गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए देश के राजमार्ग नेटवर्क पर निर्बाध यात्रा की सुविधा मिल सकेगी। बुधवार को घोषित इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाना है। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर घोषणा को साझा करते हुए, गडकरी ने कहा कि परेशानी मुक्त राजमार्ग यात्रा की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम में, हम 3,000 रुपये की कीमत वाला फास्टैग-आधारित वार्षिक पास पेश कर रहे हैं, जो 15 अगस्त 2025 से प्रभावी होगा। गडकरी ने कहा कि सक्रियण की तारीख से एक वर्ष के लिए या 200 यात्राओं तक- जो भी पहले हो- वैध- यह पास विशेष रूप से गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए डिजाइन किया गया है। इस पहल का उद्देश्य निजी वाहन मालिकों के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा को सुगम और अधिक किफायती बनाना है। यह पास सड़क परिवहन प्रणालियों को डिजिटल बनाने और सुव्यवस्थित करने के सरकार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, साथ ही यह राजमार्गों का लगातार उपयोग करने वालों को वित्तीय राहत और लचीलापन भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि वार्षिक पास पूरे देश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध और लागत प्रभावी यात्रा को सक्षम करेगा। सक्रियण और नवीनीकरण के लिए एक समर्पित लिंक जल्द ही राजमार्ग यात्रा ऐप के साथ-साथ आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध कराया जाएगा।

भारतीय नौसेना में शामिल हुआ भारत का पहला एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट

नौसेना डॉकयार्ड में आयोजित एक भव्य समारोह में इस जहाज को नौसेना में शामिल किया गया

एजेंसी

> हम आपको बता दें कि आईएनएस अनार्ला को आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत विकसित किया गया है। इसमें 80% से अधिक स्वदेशी उपकरण और तकनीक का उपयोग किया गया है, जो रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है।

नयी दिल्ली। भारत ने अपनी समुद्री रक्षा क्षमताओं को और मजबूती देते हुए आईएनएसअनार्ला को भारतीय नौसेना में शामिल कर लिया है। यह पहला एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट है, जो तटीय क्षेत्रों और उथले समुद्री इलाकों में पनडुब्बी जैसे खतरों से निपटने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। विशाखापत्तनम के नौसेना डॉकयार्ड में आयोजित एक भव्य समारोह में इस जहाज को नौसेना में शामिल किया गया। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद थे। हम आपको बता दें कि कठर अनार्ला को आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत विकसित किया गया है। इसमें 80% से अधिक स्वदेशी उपकरण और तकनीक का उपयोग किया गया है, जो रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। हम आपको बता दें कि यह जहाज न केवल भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाता है बल्कि देश की नौसैनिक निर्माण क्षमता और तकनीकी प्रगति का भी प्रमाण है। इसकी प्रमुख विशेषताओं की बात करें तो आपको बता दें कि इसमें एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट है। इसकी भूमिका की बात करें तो आपको बता दें कि यह तटीय और उथले समुद्री इलाकों में जल के भीतर खतरों की निगरानी और उनका मुकाबला करेगा। साथ ही इसका सबसर्फेस सर्विलांस, खोज एवं बचाव अभियान और कम तीव्रता वाले नौसैनिक मिशन पर उपयोग किया जायेगा।

पुलिस ने राजा रघुवंशी की हत्या में इस्तेमाल किया गया दूसरा हथियार बरामद किया

एजेंसी

मेघालय ,हत्या की जांच कर रही मेघालय पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) रघुवंशी की पत्नी सोनम समेत हत्या के सभी आरोपियों को शिलांग से करीब 65 किलोमीटर दूर सोहरा लेकर आई और कड़ी सुरक्षा के बीच क्राइम सीन को रीक्रिएट किया। दौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या की जांच कर रहा मेघालय पुलिस का विशेष जांच दल (एसआईटी) यह पता लगाने के लिए मध्यप्रदेश पहुंचा है कि हत्या के पीछे कोई वित्तीय मकसद तो नहीं है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम समेत हत्या के सभी आरोपियों को यहां से लगभग 65 किलोमीटर दूर सोहरा ले गयी और भारी सुरक्षा के बीच इस अपराध का नाट्य रुपांतरण किया। पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा इलाके में राजा रघुवंशी की 23 मई को वेइसाडोंग फॉल्स के पास एक पार्किंग स्थल में छुरा घोंपकर हत्या कर दी गई थी और उनके शव को एक निकटवर्ती घाटी में फेंक दिया गया था। राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी अपने हनीमून पर थे

ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई बोले- सरेंडर नहीं करेंगे

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव , ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने बुधवार को अपने एक मैसेज में कहा कि अमेरिका सुन ले, हम सरेंडर नहीं करेंगे। खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर इजराइल के खिलाफ जंग में अमेरिकी सेना ने दखल दिया, तो अंजाम बुरा होगा।'खामेनेई का यह मैसेज ईरान की नेशनल टीवी पर प्रेजेंटर ने पढ़ा। खामेनेई ने कहा, 'जो लोग ईरान का इतिहास जानते हैं, उनको पता है कि ईरानी किसी की धमकियां नहीं सुनता। इजराइल ने बहुत बड़ी गलती की है और उसे इसकी सजा मिलेगी। ईरान थोपी गई शांति या युद्ध को नहीं मानेगा।'इससे पहले खामेनेई ने मंगलवार देर रात इजराइल के खिलाफ जंग का ऐलान किया था।

पलटवार | बीजेपी का कांग्रेस पर पलटवार

राहुल गांधी और जयराम रमेश का दिल भारत में नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बसता है

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। पार्टी नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी भारत के नैरेटिव पर विश्वास नहीं करती है, तो यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि राहुल गांधी और जयराम रमेश का दिल भारत में नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बसता है। इंटरनेशनल फेक न्यूज फैक्ट्री कांग्रेस पार्टी आज इतनी अलग-थलग पड़ गई है कि झूठ फैलाना उसका काम बन गया है... आज कांग्रेस पार्टी की विश्वसनीयता ऐतिहासिक और वैश्विक स्तर पर शून्य पर है। प्रदीप भंडारी ने आगे कहा कि जयराम रमेश जो कुछ भी कहते हैं, उस पर कांग्रेस पार्टी में राहुल गांधी को छोड़कर कोई भी विश्वास नहीं करता। मान लीजिए कि उनमें थोड़ी भी देशभक्ति है। उस स्थिति में, उन्हें देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और उसके बाद उन्होंने पाकिस्तानी नैरेटिव को आगे बढ़ाया और देश के नैरेटिव को कमजोर किया। उन्हें भारत सरकार के आधिकारिक रुख पर विश्वास नहीं था, क्योंकि उन्हें लगता था कि अगर वे भारत के खिलाफ बोलेंगे, तो कांग्रेस पार्टी, जो पाकिस्तान की बी टीम है, आगे बढ़ जाएगी। आपको बता दें कि पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच टेलीकांफ्रेंसिंग पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी के बयान पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा था कि भारतीय विदेश नीति और कूटनीति को मिले 'ट्रिपल झटके' को समझिए। आज फील्ड मार्शल असीम मुनीर जिनकी भड़काऊ, भड़काऊ और भड़काऊ टिप्पणियां सीधे पहलगाम आतंकी हमलों से जुड़ी हैं। उन्हें आज राष्ट्रपति ट्रंप के साथ एक विशेष लंच के लिए आमंत्रित किया गया है। यह भारतीय कूटनीति के लिए एक झटका है। हम इस बारे में चुप हैं, हमने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई है...दूसरा, जनरल माइकल कुरिल्ला जो यूएस सेंट्रल कमांड के प्रमुख हैं, कहते हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद-रोधी कार्रवाई में एक अभूतपूर्व साझेदार है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम कह रहे हैं कि पाकिस्तान एक असाधारण अपराधी है...तीसरा, 10 मई से लेकर अब तक 14 बार राष्ट्रपति ट्रंप दावा कर रहे हैं कि उन्होंने युद्ध विराम में मध्यस्थता की, उन्होंने व्यापार को एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया

सम्पादकीय

आर्थिक रूप से और सक्षम बनने का समय, भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में स्थापित करना जरूरी

आपरेशन सिंदूर की सफलता का अलग-अलग पहलुओं से विश्लेषण जारी है। इस सैन्य अभियान की सफलता ने मुख्य रूप से तीन सराहनीय पहलुओं को रेखांकित करने का काम किया। पहला भारत सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, जिसने पहलगाम में आतंकवादियों के कायरतापूर्ण, बर्बर और शर्मनाक कृत्य के जवाब में एक अपेक्षित एवं प्रभावी कार्रवाई को सुनिश्चित किया। दूसरा, स्वदेश विकसित एवं निर्मित हथियार प्रणालियों की सफलता और हमारे सशस्त्र बलों का अद्वितीय साहस। तीसरा, देश के सभी वर्गों, जाति, पंथ के लोगों ने राजनीतिक विचारधारा से परे जाकर हमारे सैनिकों की वीरता के समर्थन और प्रशंसा में एकजुटता का प्रदर्शन किया। इस सफलता में गर्व की अनुभूति और ज्यादा बढ़ गई, क्योंकि स्वदेश निर्मित रक्षा प्रणालियों ने अपनी उपयोगिता साबित की। इसने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की गति को और तेजी देने की आवश्यकता को दर्शाया है। इसके लिए हमें आर्थिक रूप से सक्षम बनना होगा। यहां यह न भूला जाए कि कुछ देश अपने आर्थिक रुतबे को ही ताकत बनाकर न केवल पड़ोसियों, बल्कि दुनिया भर को धौंस दिखाने का काम करते हैं। यहां तक कि वे नैरेटिव पर भी नियंत्रण रखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद और आतंकवादियों को जड़ से मिटाने का एलान किया है। निःसंदेह राजनीतिक संकल्पशक्ति और हमारे सैन्य बलों का पराक्रम तात्कालिक रूप से इस चुनौती से निपटने में सक्षम हैं, लेकिन इसका दीर्घकालिक उपाय आर्थिक मजबूती से ही जुड़ा है कि हमें परेशान करने की मंशा रखने वालों के मन में यह भय व्याप्त हो कि भारत पर बुरी नजर डालने के नतीजे कितने भयावह होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की पहल से 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का जो एक राष्ट्रीय स्वप्न परवान चढ़ा है, उसके साकार होने पर ऐसी निवारक शक्ति सहज ही प्राप्त की जा सकती है।हालांकि इस सपने की पूर्ति के लिए देश को निरंतर आठ प्रतिशत से अधिक की आर्थिक वृद्धि दर प्राप्त करनी होगी। ऐसी ऊंची वृद्धि कम से कम 36 प्रतिशत के सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) के जरिये ही प्राप्त की जा सकती है। यह तभी संभव है, जब बचत और निवेश दर कुल आर्थिक उत्पादन के 36 प्रतिशत से अधिक हो। अफसोस की बात यह है कि जीसीएफ लगातार घटने पर है। वित्त वर्ष 2024 में यह और घटकर 31.4 प्रतिशत हो गया, जबकि वित्तीय वर्ष 2023 में यह 32.8 प्रतिशत था। इसका मुख्य कारण निजी क्षेत्र के निवेश में कमी आना है। निजी क्षेत्र का निवेश भी वित्त वर्ष 2023 के 25.8 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 24 प्रतिशत ही रह गया। इस दौरान रिकार्ड सरकारी निवेश हुआ, लेकिन वह इस मोर्चे पर कमी को पूरा करने के लिहाज से पर्याप्त नहीं।

आज का विचार

समझदार इंसान वो नहीं होता जो
ईंट का जवाब पत्थर से देता है,
समझदार इंसान वो होता है
जो फेंकी हुई ईंट से
आशियाँ बना लेता है

भारत संवाद

मेष राशि : दिन सुखद और शानदार रहेगा. घर में मांगलिक कार्य के योग बनेंगे आपका रुका हुआ कोई पुराना कार्य पूर्ण होने से मन प्रसन्न रहेगा. प्रशासनिक क्षेत्र में पदोन्नति मिलने का योग बन रहा है. आज का दिन आपके लिए कुछ नया लेकर आने वाला है. परिवार में आपसी सामंजस्य से देखने को मिलेगा.

वृषभ राशि: आज स्वास्थ्य का ध्यान रखें. आज कुछ विशेष कार्य के लिए आपका चयन किया जा सकता है. कार्यक्षेत्र में आपके कार्य की प्रशंसा होगी. अधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न रहेंगे. आज का दिन आपके लिए कोई खुशखबरी लेकर आने वाला है. आज व्यर्थ के वाद विवाद से दूर रहें.

मिथुन राशि: आज आप व्यर्थ के कार्यों में उलझे रहेंगे, जिस कारण आपका समय और धन व्यय होगा. आज किसी भी बात पर क्रोधित होना आपके लिए अच्छा नहीं होगा. कुछ बातों को इग्नोर करना आज आपके लिए अच्छा रहेगा. व्यापार-व्यवसाय में पार्टनरशिप पर विचार करके ही कोई कार्य करें. .

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए ज्यादा अच्छा नहीं कहा जा सकत. आज आप विवादों से दूर रहें. प्रशासनिक क्षेत्र में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ सकते हैं. आज आप कार्यक्षेत्र में अपने शत्रु वर्ग से काफी परेशान रहेंगे. पारिवारिक दृष्टि से आज स्थिति ठीक रहेगी.

सिंह राशि : आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा. घर में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है. घर-परिवार में किसी मांगलिक कार्य के योग बनेंगे. आज परिवार में माता-पिता और भाई किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं. व्यापार क्षेत्र में लाभ के योग बनते दिखाई दे रहे हैं.

कन्या राशि: आज किसी नए कार्य की शुरूआत करना आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा. कार्यक्षेत्र में नए सहयोगी मिलेंगे. आज आर्थिक स्थिति में इजाफा होगा। परिवार में भाई और भतीजे से आर्थिक सहयोग प्राप्त हो सकता है.

तुला राशि : आज के दिन कुछ समस्याएं सामने आ सकती हैं, जिस कारण आप कुछ परेशान नजर आएंगे. आज कार्य के चक्कर में आपको बाहर की लंबी यात्रा करनी पड़ सकती हैं. स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा. नौकरी वर्ग वाले व्यक्तियों को अपने अधिकारी से संबंध अच्छे रखने होंगे. वाणी पर संयम रखना आपके लिए अच्छा होगा. आज के दिन आप किसी नए कार्य की शुरूआत करना चाह रहे हैं, तो मन की बात किसी से शेयर न करें.

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है. आप कोई नया कार्य शुरू करने का सोच रहे हैं, तो उसमें सफलता मिलेगी. आज किसी पुराने प्रसिद्ध व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा. रुका हुआ धन प्राप्त होगा. स्वास्थ्य ठीक रहेगा. परिवार में मान सम्मान बढ़ेगा.

मकर राशि: आज आपका दिन व्यर्थ की भागदौड़ में उलझा रहेगा. किसी वाद विवाद में आज आप फंस सकते हैं. विरोधियों के षड्यंत्र का शिकार हो सकते हैं. स्वास्थ्य में गिरावट महसूस होगी. व्यापार-व्यवसाय में हानि उठानी पड़ेगी.

कुंभ राशि: कुंभ राशि आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। आज कोर्ट कचहरी आदि के विवाद में फंस सकते हैं. आपका कोई व्यापार में बड़ा नुकसान हो सकता है. विरोधी वर्ग आपके प्रति षड्यंत्र रह सकते हैं. कोई बड़ा निवेश आज व्यापार में न करें. स्वास्थ्य का ख्याल रखें. परिवार में पत्नी से मतभेद बढ़ सकते हैं।.वाणी पर संयम रखें. वाद-विवाद से दूर रहे

मीन राशि: आज आप अपने मित्रों के साथ किसी धार्मिक यात्रा आदि पर जा सकते हैं. अपने सामान आदि की रक्षा रखें। नहीं तो नुकसान उठाना पड़ सकता है. स्वास्थ्य को लेकर खानपान पर ध्यान रखें. व्यापार-व्यवसाय में किसी नए काम की शुरूआत की योजना बन सकती है. नौकरी वर्ग में अधिकारियों का पूर्ण सहयोग मिलेगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कैसे सुरक्षित होगी हवाई यात्रा? अहमदाबाद विमान और उत्तराखंड हेलिकॉप्टर हादसे ने बढ़ाई चिंता

> अहमदाबाद हादसे पर एअर इंडिया प्रबंधन के साथ टाटा समूह स्वाभाविक रूप से दुखी और गंभीर है लेकिन एअर इंडिया में भागीदार सिंगापुर एयरलाइंस के बारे में कुछ कहना कठिन है। एसआइए में सिंगापुर सरकार की भी हिस्सेदारी है। वहां के पीएम ने तो अहमदाबाद हादसे पर दुख जताया पर एसआइए के एक्स(ट्विटर) हैंडल पर संवेदना का एक शब्द नहीं दिखा।

पा दुनिया को स्तब्ध और भारतीयों को गहरी पीड़ा से भर देने वाली अहमदाबाद विमान दुर्घटना की चर्चा जारी रहना स्वाभाविक है। यह आवश्यक भी है, क्योंकि हाल के इतिहास में ऐसा हवाई हादसा याद करना कठिन है, जिसमें इतने अधिक भारतीयों की मौत हुई हो। एअर इंडिया के अभागे 787 ड्रीमलाइनर विमान के उड़ान भरते ही गिरने से एक यात्री के चमत्कारिक ढंग से बच जाने के अतिरिक्त सभी यात्री और चालक दल के सदस्य काल के गाल में समा गए। यह विमान पास के मेडिकल कालेज के जिस हास्टल की कैंटीन पर आग का गोला बनकर गिरा, वहां कुछ मेडिकल छात्र और अन्य लोग भी मारे गए। अहमदाबाद विमान हादसे के कारणों को लेकर आम लोगों के साथ विशेषज्ञों के अपने-अपने विचार हैं। इनमें एक कैप्टन स्टीव भी हैं, जिन्होंने अहमदाबाद हादसे के कारणों को लेकर जो दावा किया, उसे खुद ही बदल दिया, लेकिन इसके पहले उन्हें एक भारतीय टीवी चैनल पर ज्ञान देते देखा गया। अन्य विशेषज्ञ अनुमान लगा रहे हैं कि बोइंग का अपेक्षाकृत नया और आधुनिक ड्रीमलाइनर विमान किन कारणों से ऐसे भयावह हादसे का शिकार बना। चूंकि बोइंग के इस विमान के साथ पेश आया यह पहला बड़ा हादसा है, इसलिए भारत समेत विश्व भर की एयरलाइंस एवं हवाई संचालन सेवा से जुड़ी संस्थाएं चिंतित हैं। इस हादसे की राष्ट्रीय के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहन जांच हो रही है। इसी के साथ जो प्रश्न उठे हैं, उनके घेरे में एअर इंडिया प्रबंधन, टाटा समूह, डीजीसीए, एयरपोर्ट अथारिटी और भारत सरकार आदि के साथ बोइंग कंपनी भी है। इस हादसे के बाद बोइंग के अलावा एअर इंडिया में भागीदार

सिंगापुर एयरलाइंस (एसआइए) के साथ कुछ अन्य एयरलाइंस के शेयर भी गिरे। अहमदाबाद में हवाई हादसे के बाद से भारत समेत दुनिया भर में विमानों के संचालन में छोटी-बड़ी खामी मिलने, उड़ान रद होने, रोके जाने के समाचार थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इनमें ड्रीमलाइनर समेत अन्य विमान भी हैं। निर्माण के दौरान अपने विमानों के सेफ्टी सिस्टम की अनदेखी के कारण बोइंग गंभीर सवालों के घेरे में रही है। इस कंपनी के ह्यव्हिसिलब्लोअरह्न इंजीनियर सैम सालेहपोर ने ड्रीमलाइनर एवं अन्य विमानों के निर्माण में जानबूझकर लापरवाही बरतने का आरोप मढ़ा था। इसके चलते बोइंग की खूब बदनामी हुई थी। बोइंग ने इस इंजीनियर के आरोप खारिज करते हुए कहा था कि वह अपने सभी विमानों के निर्माण में जरूरी सावधानी बरतती है, पर शायद उसने ऐसा नहीं किया। 2021 में अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने ड्रीमलाइनर की डिलीवरी रोक दी थी। बोइंग के बदनाम हुए मैक्स विमान इस्तेमाल कर रही इंडोनेशिया और इथोपिया एयरलाइंस के नए विमान 2018-19 में पांच महीने के अंतराल पर दुर्घटनाग्रस्त हुए थे। इनमें कुल 346 लोग मारे गए थे। इन हवाई हादसों की जांच में यह सामने आया था कि बोइंग ने धोखाधड़ी की। उसके मैक्स विमानों के साफ्टवेयर में खामी थी और इस खामी को दूर कर सकने वाले जिन उपायों से विमान के लैस होने का उसने वादा किया था, वे उनमें थे ही नहीं। इसके चलते बोइंग की साख को धक्का तो लगा ही, इन दोनों हादसे में मारे गए लोगों के स्वजनों से अदालत के बाहर समझौता करने के बाद भी बोइंग को भारी भरकम हजार्ना देना पड़ा। इससे उसे तगड़ी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी। बोइंग की पोल खोलने का काम उसके कई औ? अधिकारी कर चुके हैं। ये भी ह्यव्हिसिलब्लोअरह्न कहलाए। इनके भी ऐसे आरोप थे कि बोइंग विमानों को आनन-फानन बनाने के लिए शार्टकट इस्तेमाल करती है और इससे विमानों की सुरक्षा खतरे में पड़ती है। बोइंग अपने कर्मियों के असंतोष औ? उनकी हड़ताल का भी सामना कर चुकी है। इसके चलते उसके विमानों का उत्पादन प्रभावित हुआ और वह कहीं कम आर्डर की सप्लाई कर पा रही है। फिर भी एअर इंडिया समेत अन्य एयरलाइंस उसके विमान खरीदने के आर्डर देती रहती हैं। ऐसा करना उनकी मजबूरी भी हो सकती है। जो भी हो, बोइंग का इतिहास बहुत दागदार है। टाटा एयरलाइंस की स्थापना भारत में सिविल एविएशन के जनक जेआरडी टाटा ने की थी। बाद में सरकार ने इसका अधिग्रहण कर लिया और नाम कर दिया एअर इंडिया। एअर इंडिया को कुप्रबंधन और घाटे से उबारने के लिए मोदी सरकार ने उसे निजी कंपनी को बेचने का फैसला लिया। स्वाभाविक रूप से पहली पसंद टाटा समूह बना। 2022 में एअर इंडिया उसके हाथों में चली गई। नाम एअर इंडिया ही रहा। इससे दुनिया में कुछ लोग इसे भारत सरकार की एयरलाइंस समझते हों तो हैरानी नहीं। टाटा समूह के हाथ में जाने के बाद माना यह गया कि अब इसका संचालन सुगम एवं सुरक्षित तरीके से होगा, लेकिन अहमदाबाद का हादसा संकेत कर रहा है कि संभवतः ऐसा नहीं हो सका है। उस पर विमान संचालन में पर्याप्त सजगता न बरतने के आरोप में जुमार्ना भी लग चुका है। उसे सुविधाओं में कमी-अनदेखी के आरोप से भी दो-चार होना पड़ा है। एक बार तो केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ही शिकायत कर चुके हैं। अहमदाबाद हादसे पर एअर इंडिया प्रबंधन के साथ टाटा समूह स्वाभाविक रूप से दुखी और गंभीर है, लेकिन एअर इंडिया में भागीदार सिंगापुर एयरलाइंस के बारे में कुछ कहना कठिन है। एसआइए में सिंगापुर सरकार की भी हिस्सेदारी है। वहां के पीएम ने तो अहमदाबाद हादसे पर दुख जताया, पर एसआइए के एक्स(ट्विटर) हैंडल पर संवेदना का एक शब्द नहीं दिखा। अहमदाबाद हादसे को लेकर जो सवाल उठे हैं, उनका उसे भी तो जवाब देना होगा। यदि यह समय एअर इंडिया के लिए परीक्षा की घड़ी है तो एसआइए के लिए भी। नि:संदेह समय के साथ विमान यात्रा सुरक्षित हुई है, लेकिन हर हवाई हादसे पर विमानों के सुरक्षित संचालन पर वैसे ही सवाल भी उठते हैं, जैसे इन दिनों उठ रहे हैं। अहमदाबाद हादसे के बाद उत्तराखंड में एक और जानलेवा हेलीकाप्टर हादसे के चलते ये सवाल और अधिक चिंता का कारण बन गए हैं। अब अपने देश में विमान और हेलीकाप्टर सेवाओं का उपयोग बड़ी संख्या में आम आदमी कहे जाने वाले लोग भी करते हैं, क्योंकि हवाई यात्रा जरूरत बन गई है। इसीलिए कहा जाता है कि हमारे देश के हवाई चप्पल पहनने वाले भी हवाई यात्रा कर रहे हैं। यह एक हद तक सच भी है। हवाई यात्रा सुरक्षित हो, यह एयरलाइंस और नियामक संस्थाओं के साथ भारत सरकार को भी सुनिश्चित करना होगा। आज के युग में आम और खास के लिए हवाई यात्रा जरूरी भी है और मजबूरी भी। किसी कारण लोगों की जान जोखिम में पड़े, यह अस्वीकार्य है। हम इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि अपने देश में रेल और सड़क यात्रा विकसित देशों के मुकाबले जोखिम भरी है। सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या तो घटने का नाम ही नहीं ले रही है।

आम जिंदगी में आर्थिक सुराख-मोबाइल और इंटरनेट

संजीव ठाकुर

समाज मे आज मध्यम,निम्न वर्ग के लोगों द्वारा मोबाइल, कम्प्यूटर, इंटरनेट का बेजा व अनावश्यक उपयोग,प्रयोग सीधे-सीधे आम उपभोक्ता के लिए उनकी आर्थिक स्थिति में सेंध मारने जैसा कार्य है, जो आम आदमी की के लिए नशे की लत सदृश्य है।बच्चे,युवा मोबाइल के बेहद आदि हो गए हैं उनकी इस आदत से पीछा छुड़ाना भी अभिभावकों के लिये सिरदर्द बन चुका है।टेलीफोन, मोबाइल, इंटरनेट के अविष्कार के बाद मानवीय संचार माध्यम के अविष्कार के बाद संचार विज्ञान के इतिहास में अत्यंत समीचीन तथा भविष्य का एक तूफानी विकास है। विभिन्न संचार माध्यमों के आपस में जुड़े कंप्यूटर एवं विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का समूह कंप्यूटर नेटवर्क कहा जाता है, और इन्हीं कंप्यूटर नेटवर्क का विश्व स्तरीय अंतरजाल को अंग्रेजी में इंटरनेट कहा जाता है। अमेरिका में एक दूसरे के सूचना माध्यमों को जोड़कर जानकारी गुप्त रूप से आदान-प्रदान करने के लिए 1969 में अमेरिका में कंप्यूटर में 'अपारनेट' की स्थापना की गई थी। इसी परिकल्पना के साथ कंप्यूटर नेटवर्क, आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क इंटरनेट के रूप में परिवर्तित हो गया। इंटरनेट का सार्थक उपयोग समाज में शिक्षा संगठन और भागीदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पॉजिटिव ट्रैक होने के साथ एक चमत्कारिक परिवर्तन समाज में आया है। आज लोगों के शौक खेलना, पढ़ना ,संगीत सुनना, चित्र बनाना ,फोटोग्राफी परिवर्तित होकर 90% लोगों के इंटरनेट सर्फिंग, संगीत सुनना और चित्र बनाने जैसे शौक इंटरनेट से मोबाइल अथवा कंप्यूटर के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। विश्व में जनसंख्या के हिसाब से 4 अरब लोग इंटरनेट कंप्यूटर तथा मोबाइल के माध्यम से सुबह शाम इस्तेमाल कर रहे हैं। भारतीय परिपेक्ष में 140 करोड़ की अनुमानित जनसंख्या वाले देश में लगभग 40% लोग मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग कर एक दूसरे से जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इंटरनेट एक ऐसा सेवक है जो मोबाइल के माध्यम से आपके सभी आदेशों का पालन करने के लिए दिन रात उपलब्ध है। मोबाइल और कंप्यूटर में उपयोग होने वाला इंटरनेट एक ऐसा अंतरजाल है जिस का आविष्कार सूचनाओं को साझा करने के उद्देश्य किया गया था और अब सूचना प्रौद्योगिकी के इस वर्तमान काल में दस्तावेजों एवं ध्वनि माध्यम के साथ वीडियो का आदान प्रदान करना भी इंटरनेट के माध्यम से संभव हो गया है। हवाई जहाज की, होटल की, किताबों की और व्यापार बढ़ाने की योजनाओं की बुकिंग इंटरनेट द्वारा घर बैठे कंप्यूटर या मोबाइल से किया जा सकता है। सरकार की प्रशासनिक कार्यों से लेकर व्यापार ,शिक्षा के नव अवसर भी इंटरनेट के माध्यम से पूर्ण किए जाने लगे हैं। इंटरनेट ने पूरे विश्व को एक दूसरे के एकदम करीब लाने के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी में एक चमत्कारिक परिवर्तन लाया है।भारत में इस इंटरनेट या अंतरजाल ने जहां पूरे भारत को एक करके रख दिया है वहीं दूसरी तरफ इंटरनेट की सेवाएं जो एयरटेल आइडिया, डोकोमो, टाटा,जिओ और बीएसएनएल जैसी कंपनियां भारतीय उपभोक्ताओं को शहर से लेकर गांव तक अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। दूसरी तरफ पूर्व में जहां गरीब उपभोक्ता ?10 से लेकर ?100 तक आसानी से रिचार्ज करा लिया करता था ,अब इंटरनेट की कंपनियां 200 से लेकर ?1000 तक बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट की सुविधा भी साथ में उपलब्ध करा रहे हैं जो सीधे-सीधे आम उपभोक्ता के लिए उनकी आर्थिक स्थिति में सेंध मारने जैसा कार्य है। हालांकि यह सेवाएं स्वैच्छिक हैं, उपभोक्ता इंटरनेट की सेवाएं लेना चाहे तो ले अन्यथा केवल बातचीत करने की सेवाएं सी ले सकता है,पर एक बार इंटरनेट इस्तेमाल करने की आदत पड़ने के बाद उपभोक्ता इसका आदी होने लगता है।अब स्थिति यह है कि सीधा 28,58,89 दिनों के लिए इंटरनेट के साथ बात करने की सुविधा महंगी दरों में उपलब्ध कराई जा रही है। जिससे गरीब उपभोक्ता की जेबों में हमला कर उनका मासिक बजट बिगाड़ने का काम हो रहा है, इस तरह से बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट भी दिया जाना भारत के ग्रामीण क्षेत्र में गरीब व्यक्ति को और भी गरीबी के दलदल में धकेलने जैसा ही है। यह सभी कंपनियों का गरीब उपभोक्ता के जेबों में सीधे-सीधे पैसे निकालने का सुनियोजित षड्यंत्र की तरह कर रहीं है। भारत के हर तीसरे व्यक्ति के पास एंड्राइड या स्मार्टफोन उपलब्ध है और यह बड़ी कंपनियां हर माह इन उपभोक्ताओं को आवश्यक रूप से इंटरनेट उपलब्ध कराने के पैकेज देकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास कर रही है, इस पर प्रभावी नियंत्रण अति आवश्यक है। इस तरह के मोबाइल रिचार्ज पर सरकार को कड़ा कानून बनाकर इस के नियमन पर नियंत्रण रखना होगा। यह एक तरह की उपभोक्ताओं की परोक्ष तथा अदृश्य भावनाओं से खेल कर उनके बजट से आर्थिक लाभ लेने की सुनियोजित योजनाएं हैं ,जिनमें तत्काल नियंत्रण की आवश्यकता होगी। भारत में इंटरनेट सेवा की शुरूआत भारत संचार निगम लिमिटेड ने वर्ष 1995 की थी अब एयरटेल, रिलायंस, टाटा इंडीकॉम, वोडाफोन, जैसी दूरसंचार कंपनियां इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराती है। विज्ञान की प्रकृति के साथ-साथ सूचना संचार माध्यम में आशातीत वृद्धि हुई है। इंटरनेट के माध्यम से न केवल उच्च शिक्षा प्राप्त की जा सकती बल्कि रोजगार प्राप्ति के लिए सहायक होते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कहा जाता है कि इंटरनेट दुनिया के सबसे बड़ा पुस्तकालय है यहां सभी पुस्तकें पढ़ने के लिए उपलब्ध हैं। इंटरनेट की एक को ही देखकर हमें भारतीय संदर्भ में आम उपभोक्ताओं के आर्थिक बजट को भी ध्यान में रखकर इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों पर नजर रख बातचीत करने के लिए सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ इंटरनेट उपलब्ध कराना एक विकल्प रखना चाहिए। अन्यथा सीधा-सीधा इंटरनेट कंपनियां भारतीय आम उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ने का काम ही कर रही है। इसके अलावा इंटरनेट से बच्चों तक अवांछित नग्न दृश्य भी इंटरनेट आसानी से उपलब्ध कराकर उनके भविष्य से खिलवाड़ भी कर रहा है। लोग इंटरनेट का दुरुपयोग कर अश्लील साइटों को देखने और सूचनाओं को चुराने में भी सकते इससे साइबर अपराधों में वृद्धि हुई है।भया दोहन की घटनाएं भी बार-बार इंटरनेट के माध्यम से आम उपभोक्ताओं को परेशान कर रही है। अतः भारतीय उपभोक्ताओं को यह सलाह है कि इंटरनेट का ज्ञान की तरह उपयोग करें ,कूड़ेदान की तरह नहीं। यदि इसका सही उपयोग ज्ञान के सागर में गोता लगाने के लिए किया जाए और ज्ञान उपलब्ध हो सके तो इससे अच्छी कोई बात नहीं हो सकती।

कर्मों की कुशलता ही योग है

(कुमार कृष्णन)

आधुनिक जीवनशैली या स्वास्थ्य संबंधी आदतें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर रही हैं। आधुनिक जीवनशैली के कारण मनोवैज्ञानिक और शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम लगातार बढ़ रहे हैं। आज, बहुत से लोग अस्वस्थ जीवनशैली अपनाते हैं और गंभीर बीमारियों, विकलांगताओं और यहाँ तक कि मृत्यु का सामना करते हैं। अव्यवस्थित जीवनशैली से हृदय संबंधी रोग, जोड़ों और हड्डियों की समस्याएँ, मोटापा और उच्च रक्तचाप जैसी कई चयापचय संबंधी बीमारियाँ भी हो रहीं हैं।

आधुनिक जीवन शैली अपनाने के कारण आज का मानव न चाहते हुए भी दबाव एवं तनाव, अविश्राम, अराजकता, रोग ग्रस्त, अनिद्रा, निराशा, विफलता, काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या तथा अनेकानेक कष्टपूर्ण परिस्थितियों में जीवन निर्वाह करने के लिए बाध्य हो गया है। परिणामस्वरूप अनेकानेक शारीरिक रोगों के साथ-साथ मानसिक असंतुलन, चिंताएं, उदासी, सूनापन एवं दुर्भावनात्मक विचार उसे चारों ओर से घेर लेते हैं। इन परिस्थितियों का दृढ़ता के साथ सामना करने के लिए हमारी भारतीय पौराणिक योग पद्धति सहायता कर सकती हैं। योग साधना को यदि अपने जीवन का अभिन्न अंग बना दिया जाए तो यह मानव की खोई हुई राजसत्ता की पुनर्प्राप्ति का आश्वासन देता है एवं पुनः अनन्त सत्य के साथ जीवन जीने की कला सिखाता है। योग स्वयं जीवन का संपूर्ण सद्विज्ञान है। योग हमारे सभी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक कष्टों एवं रोगों से मुक्ति दिलाता है। यह परिपूर्णता एवं अखण्ड आनंद के लिए वचनबद्ध है। भगवान श्री कृष्ण श्रीमद्भागवत गीता में स्वयं योग की परिभाषा द्वितीय अध्याय के पचासवें श्लोक में देते हैं- योगः कर्मसु कौशलम्अर्थात कर्मों की कुशलता का नाम योग है।

महर्षि पतञ्जलिकृत योग-दर्शन में व्याख्या की गई है।

योगश्चित्र वृत्ति निरोधः अर्थात चित्रवृत्तियों का नियंत्रण ही योग है। योग साधक अपने स्वरूप में स्थित हो जाता है योग अनुशासन का दूसरा नाम है।महर्षि पतञ्जलि का अष्टांग योग भौतिक उन्नति के साथ आध्यात्मिक विकास के लिए मन पर नियंत्रण की प्रेरणा देता है यह केवल हिमालय पर रहने वाले साधु-संतों, सन्यासियों के लिए ही नहीं, अपितु सभी गृहस्थियों के लिए भी एक सन्मार्ग है।भारतीय योग को अनेक महान हस्तियों द्वारा अलंकृत किया गया।

इनमें क्रियायोग के आदिगुरु श्यामाचरण लाहिड़ी,तिरूमलाई कृष्णमाचारी, स्वामी शिवानंद सरस्वती, श्रीयोगेन्द्र, के पट्टाभिजायस, बी.के आयंगर,स्वामी सत्यानंद सरस्वती,स्वामी निरंजनानंद सरस्वती जिन्होंने सर्वांगीण योग चेतना के माध्यम से न सिर्फ रोगी मनुष्य के कायाकल्प का प्रयास किया बल्कि प्राचीन प्रबुद्धता की व्याख्या करते हुए हर प्रकार के भ्रामक विचारों और व्यवहारों के विरूद्ध संघर्षरत समाज की सेवा में अपनी नवप्राप्त ऊर्जा लगाकर एक आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध व्यक्तित्व का सृजन किया। स्वामी शिवानंद वर्तमान युग के प्रथम मनीषी हुए जिन्होंने यह भलीभांति समझा कि आधुनिक समाज की आवश्यकता वेदांत जैसे उच्च शास्त्रीय सिद्धांत नहीं बल्कि सरल, सुलभ एवं व्यवहारिक योग विद्या है। योग के माध्यम से न केवल मनुष्य की शारीरिक मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक जरूरतें पूरी हो सकती हैं बल्कि मानव व्यक्तित्व का पूर्ण रूपान्तरण किया जा सकता है

योग के मुख्य आठ अंग हैं- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान एवं समाधि।

पांच यम हैं झ अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह।

पांच नियम हैं- शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय एवं ईश्वर प्राणिधान।

यम और नियम के पश्चात अष्टांग योग का तृतीय अंग है

औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

विभिन्न विषयों पर प्राप्त किया मार्गदर्शन

20 जून को मुख्यमंत्री के कर कमलों से होगा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बुधवार को 5 कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास में उत्तर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के शिल्पकार, प्रदेश को औद्योगिक एवं आर्थिक समृद्धि का केंद्र बनाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर विभिन्न विषयों पर बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास के साथ ही प्रयागराज के विकास कार्यों पर चर्चा की। मंत्री नन्दी ने कहा कि 20 जून को मुख्यमंत्री के कर कमलों से गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण होने जा रहा है। मंत्री नन्दी ने कहा कि 2017 के पहले बीमारू राज्य की श्रेणी में शामिल उत्तर प्रदेश को आज एक्सप्रेस प्रदेश के रूप में एक नई पहचान मिली है। जिसके कारण कनेक्टिविटी एवं ट्रांसपोर्टेशन अच्छा होने से बड़े पैमाने पर निवेशक उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाला राज्य बनने की ओर अग्रसर है।

हीवेट रोड समेत कई बाजारों में पीडीए की बड़ी कार्रवाई

आगरा में 5 अवैध निर्माण सील, चेतावनी भी जारी; जानिए पूरा मामला

भारत संवाद

प्रयागराज, विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने शहर के प्रमुख बाजारों में अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त एक्शन लिया। हीवेट रोड, विशाल बाजार और गोसाई टोला समेत पांच स्थानों पर बगैर नक्शा पास कराए जा रहे निर्माण को सील कर दिया गया। पीडीए अधिकारियों ने साफ किया कि अगर किसी ने सील तोड़कर दोबारा निर्माण कार्य शुरू किया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हीवेट रोड स्थित माधव लेन में मधु चावला द्वारा कराए जा रहे अवैध निर्माण को सील किया गया। पास ही विशाल बाजार के पास ऊषा चावला (पत्नी विशाल चावला) के निर्माण कार्य पर भी सीलबंदी की कार्रवाई की गई। लक्ष्मण मार्केट के सामने मोहम्मद मुख्तार अहमद और इसरार अहमद के निर्माण को भी प्राधिकरण की टीम ने सील कर दिया। गोसाई टोला क्षेत्र में राजेश जयसवाल द्वारा कराए जा रहे अवैध निर्माण पर पीडीए की टीम ने ताला लगाया। हीवेट रोड पर ही एक और कार्रवाई में आकाश अग्रवाल का निर्माण कार्य भी सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पीडीए की ओर से जोनल अधिकारी, अवर अभियंता सोनू कुमार, सुपरवाइजर और प्रवर्तन दल की पूरी टीम मौजूद रही। अधिकारियों ने व्यापारियों और आम लोगों को चेताया कि किसी भी तरह का निर्माण कार्य शुरू करने से पहले नक्शा पास कराना अनिवार्य है, वरना सीधा सीलबंदी और फिर कानूनी कार्रवाई होगी।

फास्ट ट्रैक

थाना मड़िहान पुलिस द्वारा 203 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 18.06.2025 को उपनिरीक्षक श्याम बदन यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना मड़िहान क्षेत्रांतर्गत कोटवा घीसाराम पुलिया के पास से एक नफर अभियुक्त सुरेश कुमार पुत्र शिवदार निवासी पड़रिया कला थाना सन्तनगर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के पास से 203 ग्राम अवैध गांजा तथा गांजा बिक्री की धनराशि ?200/- नकद बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना मड़िहान पर मु0अ0सं0-198/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा नाबालिक को बहला फुसला के भगाने के अभियोग से सम्बन्धित बालअपचारी हिरासत में लिया गया

भारत संवाद

थाना विन्ध्याचल, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 12.06.2025 को एक व्यक्ति द्वारा वादी की नाबालिक पुत्री को बहला-फुसला के भगाने के सम्बन्ध लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल पर मु0अ0सं0-195/2025 धारा 137(2),87 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी विन्ध्याचल को निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना विन्ध्याचल पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में पतारसी-सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 18.06.2025 को उप निरीक्षक आनन्द शंकर सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 01 नफर बाल अपचारी को हिरासत में मा0न्यायालय/बाल सुधार गृह भेजा गया ।

थाना अहरौरा पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना अहरौरा पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः18.06.2025 को उप निरीक्षक संजय कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी अनिल पुत्र राजेन्द्र निवासी मदारपुर थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0देहात पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः18.06.2025 को उप निरीक्षक आसुतोष शुक्ला मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी सुड्डू उर्फ हिन्दलाल पुत्र मिश्रीलाल निवासी ग्राम मसारी थाना को0देहात जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

प्रयागराज मण्डल ने ट्रेनों में चेन पुलिंग करने वालों के विरुद्ध की कड़ी कार्यवाई

वर्तमान वित्तीय वर्ष में लगभग 1400 अनाधिकृत चेन पुलिंग करने वालों को किया गिरफ्तार

भारत संवाद

प्रयागराज मण्डल की रेलवे सुरक्षा बल टीम द्वारा रेल यात्रियों को सुरक्षित एवं बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए हर सम्भाव्क प्रयास किये जा रहे हैं इसी क्रम में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा आपरेशन समय पालन , आपरेशन नन्हें फरिश्ते, आपरेशन अमानत, मिशन जीवन रक्षक, मिशन रेल सुरक्षा, मिशन यात्री सुरक्षा, महिला सुरक्षा, मिशन सेवा, आपरेशन सतर्क, आपरेशन नार्कोस, आपरेशन मातृशक्ति, आपरेशन संरक्षा, आपरेशन आहट, आपरेशन व्यवस्था, आपरेशन जनादेश, आपरेशन सहयोग, आपरेशन दूसरा, आपरेशन विलेप, आपरेशन रेल प्रहरी, आपरेशन साथी, आपरेशन डिग्निटी जैसे विविध अभियानों से रेल यात्रियों एवं रेलवे संपत्ति की सुरक्षा करती है इन प्रयासों के अंतर्गत ट्रेनों में हो रही अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग (ACP) को रोकने के लिए भी लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अनावश्यक चेन पुलिंग ट्रेनों के सुचारू संचालन को बाधित करती है और यात्रियों की सुरक्षा को भी खतरे में डालती है ।है। अनावश्यक चेन पुलिंग को रोकने के लिए रेल प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं । इसी क्रम में प्रयागराज मण्डल की रेलवे सुरक्षा बल टीम द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में 15 जून तक अनावश्यक चेन पुलिंग करने वाले 1397 लोगों को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की गयी । इनमें से अप्रैल 2025 में चेन पुलिंग करने वाले 413 लोगों को, मई 2025 में 665 लोगों को एवं जून 2025 में 319 लोगों को गिरफ्तार किया गया और विधिक कार्यवाई की गई अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग के विरुद्ध चालू वित्तीय वर्ष में 15 जून तक प्रयागराज जंक्शन पर 98 लोगों को गिरफ्तार किया गया, प्रयागराज छिवकी पर 36 लोगों को गिरफ्तार किया गया गया, नैनी जंक्शन पर 63 लोगों को गिरफ्तार किया गया, मिजार्पुर स्टेशन पर 115 लोगों को गिरफ्तार किया गया, कानपुर सेंट्रल पर 206 लोगों को गिरफ्तार किया गया गया, फतेहपुर स्टेशन पर 125 लोगों को गिरफ्तार किया गया, फफूंद स्टेशन पर 39 लोगों को गिरफ्तार किया गया, इटावा जंक्शन पर 120 लोगों को गिरफ्तार किया गया, टूंडला जंक्शन पर 126 लोगों को गिरफ्तार किया गया एवं अलीगढ़ जंक्शन पर 117 लोगों को गिरफ्तार किया गया ।इसके अतिरिक्त अन्य स्टेशनों पर भी अनावश्यक चेन पुलिंग के मामले दर्ज कर कार्यवाई की गयी । उत्तर मध्य रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि अनावश्यक चेन पुलिंग न करें और यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखें। चेन पुलिंग का दुरुपयोग कानूनी अपराध है और इससे यात्रियों को भी असुविधा होती है । रेल प्रशासन ट्रेनों की समयबद्धता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर सतर्क है और यात्रियों से सहयोग की अपेक्षा करता है ताकि सभी यात्रियों को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिल सके।

मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज द्वारा पूर्वी समर्पित माल गलियारा परिचालन नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण

भारत संवाद

प्रयागराज में 18.06.25 को अपने पहले निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में रेलवे संचालन को सुव्यवस्थित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में, प्रयागराज मंडल के नव नियुक्त मंडल रेल प्रबंधक (DRM) श्री रजनीश अग्रवाल ने आज ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (OCC) का विस्तृत निरीक्षण किया। श्री मनु प्रकाश दुबे, AGM/ OP&BD/EDFCद्वारा उनका स्वागत किया गया। श्री अग्रवाल के इस दौरे ने सुरक्षित और कुशल ट्रेन प्रबंधन के लिए उन्नत तकनीक के उपयोग के प्रति डिविजन की प्रतिबद्धता को उजागर किया। मुख्य अधिकारियों जैसे श्री नवीन प्रकाश, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा), और श्री आकांशु गोविल, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (समन्वय) के साथ, श्री अग्रवाल ने OCC का दौरा किया और ट्रेन प्रबंधन में शामिल महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उनका निरीक्षण न्यू सोननगर, न्यू चिरैलापुथु, और न्यू पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ट्रेन रिसेप्शन प्रक्रियाओं, जो रेलवे नेटवर्क में इन केन्द्रों की अहम भूमिका को दशार्ता है। ट्रेन संचालन की जटिलताओं को समझना हमारी सुरक्षा और दक्षता के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता के लिए अत्यंत आवश्यक है, श्री अग्रवाल ने अपने दौरे के दौरान कहा। उन्होंने OCC-PRJ में पूर्वी मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तरी रेलवे, और WDFC में ट्रैन सञ्चालन के लिए अधिकारियों के साथ सार्थक चर्चा की, जिसमें विभिन्न डिवीजनों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों और संचार के सुचारू प्रवाह पर जोर दिया गया ताकि संचालन की दक्षता बढ़ाई जा सके।

हम प्रगति के मार्ग पर हैं, और रेल परिवहन की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए लोडिंग लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है, श्री अग्रवाल ने कहा। धनबाद डिविजन में लोडिंग को लेकर उनकी चिंता ने इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए रणनीतिक योजना और अवसंरचना सुधारों की आवश्यकता को रेखांकित किया, जिसमें एऊॠउ की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। इसके अलावा, श्री अग्रवाल ने आगामी कनेक्शनों पर चर्चा की, जिसमें न्यू डागमगपुर स्टेशन और चोपन क्षेत्र के बीच जल्द ही बनने वाला लिंक शामिल है, जो विश्वनाथपुरी के माध्यम से जुड़ेगा। उन्होंने ट्रैफिक बाधाओं को कम करने के लिए सतह क्रॉसिंग स्थापित करने के महत्व पर जोर दिया, जो संचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए एक दूरदर्शी दृष्टिकोण दशार्ता है। उन्होंने कहा, सुगम ट्रेन संचालन के लिए मजबूत अवसंरचना की आवश्यकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता ।ह्व निरीक्षण के दौरान, उन्होंने ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर के कंट्रोलर्स की विशेषज्ञता की प्रशंसा की और रेलवे संचालन में नई उपलब्धियों को हासिल करने के लिए उनकी समर्पित मेहनत की सराहना की।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग सप्ताह के अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

भारत संवाद

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में रेलवे मंत्रालय के निदेर्शानुसार योग सप्ताह के अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय, प्रयागराज द्वारा दिनांक 18.06.2025 को संगोष्ठी का आयोजन उत्तर मध्य रेलवे, कार्मिक विभाग सभाकक्ष में सायं 16:00 बजे आयोजित किया गयाक यह संगोष्ठी अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर आयोजित की गयी क इस कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण, स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति लोगों को प्रेरित करना, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जागरूकता औरकार्यक्रम के वक्ता श्री पी.के.ओझा द्वारा योग की प्रासंगिकता, योग के महत्व पर विस्तृत रूप से अपनी बात सब के सामने रखी गयीक महर्षि पतंजलि के चित्तवृत्त निरोध की बात पर प्रकाश डालते हुए वाचक महोदय ने मन की चंचलता को रोकने में योग को महत्वपूर्ण साधन बताया क संगोष्ठी में योग के कई मुद्राओं जैसे सूर्य नमस्कार, प्राणायाम एवं अन्य उप मुद्राओं का जीवन में महत्व को भी श्री पी.के.ओझा द्वारा बताया गयाक इस कार्यक्रम में योग और चित के परस्पर सम्बन्ध पर भी चर्चा की गईक योग को भारतीय प्राचीन संस्कृति की विश्व समुदाय को अनुपम भेंट बताते हुए तथा पूरे विश्व को प्रेरित करने में इसकी महत्ता पर चर्चा योग वाचक द्वारा की गईक यह सम्पूर्ण कार्यक्रम प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे महोदय के निर्देशन में संचालित किया गया। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे के सभी विभागों के कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध चलाया गया जागरूकता अभियान

भारत संवाद

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 18.06.2025 को नशा मुक्ति केंद्र बरकछा पर नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन उप क्षेत्रीय मधनिषेध अधिकारी वाराणसी राकेश रोशन व प्रभारी नारकोटिक्स सेल गणेश नारायण शुक्ल के द्वारा कराया गया । जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । तत्पश्चात जादूगर के द्वारा नासा न करने हेतु जागरूक किया गया । स्कूली बच्चों के बीच निबंध पोस्टर पेंटिंग दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और उनके बीच पुरस्कार का वितरण किया गया ।200 मीटर दौड़ में बड़े बच्चों में अमरदीप सोनकर छोटे बच्चों में शिवम सोनकर ने प्रथम स्थान हासिल किया । निबंध में प्रथम स्थान मनोज यादव पोस्टर प्रतियोगिता में कामना मौर्य ने प्रथम स्थान हासिल किया ।

कोर में योग शिविर का आयोजन

भारत संवाद

प्रयागराज , केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज, में चल रहे 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 18.06.2025 को योगी श्री संजय पाण्डे, श्रीमती सरोज मौर्या/वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी/ लेखा/कोर व श्रीमती जया प्रियदर्शी/ एसएसई/ विद्युत/कोर के मार्गदर्शन में त्रिवेणी विहार, रेलवे कालोनी, प्रयागराज में रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिवार के लिए योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर में योगी जी ने योग की विभिन्न मुद्राओं को कर के दिखाया तथा उपस्थित लोगों से भी करवाया। उनके द्वारा योग की विभिन्न मुद्राओं के करने से होने वाले लाभ को विज्ञान से सम्बद्ध करते हुये अवगत कराया गया और कहा की योग सजा नहीं मजा है। । उक्त कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक/मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी-श्री कल्याण सिंह, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी-श्री सौरभ मिश्रा, उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर-श्री प्रदीप तिवारी, उप महाप्रबंधक (विधि)-श्री पी. के. सिंह, वरिष्ठ विधि अधिकारी/वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी-श्री एस.एन. श्रीवास्तव, जनसम्पर्क अधिकारी /सहायक सचिव (म.प्र.)-श्री विमल कुमार तथा केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज के समस्त कर्मचारी सपरिवार उपस्थित होकर योगाभ्यास कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

गन्ना मूल्य बकाया भुगतान में चीनी मिल से मांगी जानकारी

हाईकोर्ट ने बरेली के केसर इंटरप्राइजेज लिमिटेड को तलब किया

भारत संवाद

प्रयागराज, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली स्थित केसर इंटरप्राइजेस लिमिटेड से संबंधित लगभग 170 करोड़ रुपए के गन्ना मूल्य बकाया भुगतान मामले में जानकारी मांगी है। याचिका की अगली सुनवाई 19 जून को होगी। गन्ना मिल ने कोर्ट से कहा कि उसे संपूर्ण बकाया का 25 प्रतिशत भुगतान 31 जुलाई, 2025 तक और शेष राशि ब्याज सहित 31 दिसंबर, 2025 तक करने की अनुमति दी जाए। सहकारी गन्ना विकास समिति के अधिवक्ता ने इस प्रस्ताव का विरोध किया और कहा कि 31 जुलाई, 2025 तक बकाया राशि का 50 प्रतिशत भुगतान किया जाए। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति हरवीर सिंह की खंडपीठ ने मिल से बकाये के संबंध में जानकारी मांगी है। बरेली स्थित केसर इंटरप्राइजेस लिमिटेड पर सीजन 2024-2025 के लिए 170.40 करोड़ रुपए के बकाया है। गन्ना आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ने इस राशि पर 12 प्रतिशत ब्याज सहित कुल 182.3046 करोड़ रुपये की वसूली के लिए प्रमाण पत्र जारी किया था। जिसे गन्ना मिल ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

थाना कछवां पुलिस द्वारा उ.प्र.गैंगस्टर एक्ट के अभियोग से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्तगण गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना कछवां पर पंजीकृत मु0अ0सं0-66/2025 धारा 3(1) उ.प्र. गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण एक्ट के अभियोग में बड़ी कार्यवाही करते हुए दिनांकः 18.06.2025 को थाना कछवां पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना कछवां क्षेत्र से उक्त अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त आनन्द कुमा यादव पुत्र रघुनन्दन यादव निवासी बनियापुर थाना भदोही जनपद भदोही को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/ जेल भेजा गया ।

मण्डलायुक्त ने संगम क्षेत्र में साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओ का किया निरीक्षण, सम्बंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

भारत संवाद

मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत बुधवार को संगम क्षेत्र पहुंचकर वहां पर साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओ का निरीक्षण करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए है। निरीक्षण में संगम क्षेत्र में यमुनापट्टी पर साफ-सफाई की व्यवस्था ठीक न पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए वहां पर साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। संगम क्षेत्र में लगाये गये नल स्टैण्ड पोस्ट में लिकेज पाये जाने पर जल निगम को उसको तत्काल ठीक कराये जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने हनुमान जी के मंदिर के आस-पास बड़ी गाड़ियों एवं छोटो गाड़ियों के अव्यवस्थित ढंग से खड़े पाये जाने पर उन्होंने वहां पर पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने एवं वहीं पर गाड़ियों को व्यवस्थित ढंग से खड़ी किये जाने के लिए निर्देशित किया है। संगम नोज के पास बनाये गये चेजिंग रूमों में से कुछ चेंजिंग रूमों के खराब पाये जाने पर उसको ठीक कराये जाने का निर्देश दिया है। नगर निगम के द्वारा संचालित किये जाने वाले स्टीमरों के बंद पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने उनको नियमित रूप से संचालित किये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने संगम क्षेत्र में रखे गये शौचालयों की समुचित साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर अपर मेलाधिकारी श्री दयानंद प्रसाद व उप मेलाधिकारी उपस्थित रहे।

योग सप्ताह मनाए जाने की तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारी ने किया स्पोर्ट्स स्टेडियम का निरीक्षण

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को समारोहपूर्वक मनाया जाएगाः जिलाधिकारी

भारत संवाद

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा 21 जून को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग की तैयारियों के संबंध में डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम का औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दौरान उन्होने निर्देश दिए कि सभी विभाग सौंपी गई जिम्मेदारियों का पूर्णता के साथ निर्वहन करें। उन्होने 21 जून को मौसम के संबंध में हुई जानकारी के दृष्टिगत पूर्व में निर्धारित कार्यक्रम स्थल डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम के स्थान पर शिवधाम मन्दिर बाबा लालदास जी बाड़ा में भव्य कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने युवाओं सहित आमजन को अधिक से अधिक योगाभ्यास से जोड़ने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी ने बताया कि 21 जून को ग्यारहवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होने बताया कि भारत सरकार द्वारा इस वर्ष का थीम ह्लयोगा फॉर वन अर्थ वन हेल्थह्व रखी गयी है। उन्होने निर्देश दिए कि जिले में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को हर्षोल्लास के साथ समारोहपूर्वक मनाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों के अमृत सरोवर, सभी शिक्षण संस्थानों, प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर उत्साह के साथ योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। योग आधारित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं जैसे योग आधारित भाषण प्रतियोगिता, रंगोली, वाद-विवाद, योग की क्रियाओं का प्रदर्शन आदि का आयोजन किया जाए। उन्होंने समस्त तहसीलों, निकायों, ब्लाकों एवं ग्राम पंचायतों में भी स्थान चयन करते हुए वृहद स्तर पर पूरे सप्ताह योग मनाने के निर्देश दिए।

बिजली कटौती के खिलाफ आम आदमी पार्टी का हल्लाबोल

योगी सरकार के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

भारत संवाद

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में बदहाल विद्युत व्यवस्था और घंटो पॉवर कट के मुद्दे पर योगी सरकार के खिलाफ आम आदमी पार्टी के कार्येकर्ताओ ने जिलाधिकारी कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया।

आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष संजय कुमार जैन ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि प्रदेश में लगातार महंगी हो रही बिजली और उस पर घंटों बिजली की कटौती की मार झेल रही प्रदेश की जनता, सरकार से पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है, लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। बिजली कटौती के कारण आम आदमी और किसान बेहद परेशान है। उन्होंने कहा कि चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में घंटों बिजली कटौती से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

उन्होंने कहा की जिले में 10 से 12 घंटे तक बिजली की कटौती की जा रही है। जिसके चलते आम आदमी को अपने दैनिक जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों का पढ़ाई करना मुश्किल हो गया है, घरों में पानी की सप्लाई प्रभावित हो रही है, और व्यवसायिक गतिविधियाँ भी ठप हो रही हैं।

जिला अध्यक्ष संजय कुमार जैन ने कहा कि किसानों को भी बिजली कटौती के कारण अपनी फसलों की सिंचाई करने में परेशानी हो रही है, जिससे उनकी फसलें खराब हो रही हैं और उनकी आय प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि यूपी में बिजली कटौती एक बड़ी समस्या है, लेकिन सरकार इस समस्या से निपटने के बजाए लगातार बिजली की दरों में वृद्धि के काम में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्राइवेट कंपनियों को बिजली बिल निकालने का ठेका देने से भी आम आदमी पर फर्जी बिजली बिलों का बोझ बढ़ गया है प्राइवेट कंपनियों द्वारा घरों में जाकर मीटर रीडिंग लेने के बजाय मनमाने तरीके से लोगों की बढ़ी मीटर रीडिंग भरकर जो भ्रष्टाचार का खेल खुलेआम चलाए जा रहा है उस पर सरकार पूरी तरह मौन है। यह सरकार की लापरवाही और भ्रष्टाचार का एक और उदाहरण है। प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने मांग करी की प्रदेश सरकार बिजली कटौती के मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई करे, जिससे आम जनता को 24 घंटे बिजली मिल सकें। सरकार बिजली कटौती के मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए इस समस्या का तत्काल निवारण करे ताकि प्रदेश के किसानों को भी अपनी फसलों की सिंचाई करने में परेशानी का सामना न करना पड़े और उनकी फसले खराब होने से बच सके। सरकार फर्जी मीटर रीडिंग को लेकर कंपनियों की चल रही मनमानी पर सख्ती से कदम उठाए और इस पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

इस दौरान आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष संजय कुमार जैन, सुशील, विपिन अवाना, डॉ डी. के शर्मा, मुर्तजा, राजेश तायल समेत आम आदमी पार्टी के कई कार्यकत्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

फास्ट ट्रैक

नगर निगम की बेखुरी, सफाई कर्मियों का धरना जारी

भारत संवाद

सहारनपुर। नगर निगम प्रांगण में आज दसवें दिन भी उत्तर प्रदेशीय सफाई मजदूर संघ व अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के बैनर तले सफाई कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन दसवें दिन भी जारी रहा। धरने पर उपस्थित बृजमोहन चनालिया, राजकुमार बिरला, मनमोहन सूद, चेतन चनयाने और रघुवीर चन्देल ने कहा कि सरकार ने स्थायी नौकरी खत्म कर दी अब आउट सोर्सिंग पर सफाई कर्मचारी काम करने को मजबूर है। बेरोजगारी लगातार बढती जा रही है, उपर से नगर निगम प्रशासन ने बिना पूर्व नोटिस दिये 19 सफाई कर्मचारियों को अचानक हटाकर उन्हें भीख मांगने पर मजबूर कर दिया है, जिस कारण इन सफाई कर्मचारियों ने नगर निगम कार्यालय में भीख मांगकर अपना विरोध प्रदर्शन किया। अविनाश बिरला, वरदान घावरी, प्रीतम सिंह प्रेमी आदि ने कहा कि नगर निगम प्रशासन और महापौर ने अपने सफाई कर्मचारियों को भीख मांगने को मजबूर कर दिया है। संगठनों ने नगर आयुक्त व मण्डलायुक्त महोदय को द्वितीय स्मरण मांग पत्र देकर कार्यवाही की मांग करते हुए कहा कि यदि अब भी नगर निगम प्रशासन ने अपने कर्मचारियों की मांग पूरी नहीं की तो नगर निगम के समस्त सफाई कर्मचारी काम बन्द हडताल पर चले जायेंगे, क्योंकि कर्मचारियों के पास अब कोई रास्ता नहीं बचा नगर निगम प्रशासन को नींद से जगाने का काम करेंगे।

धरने पर रोहित प्रधान, सुनील घाघट, प्रीतम सिंह प्रेमी, राजकुमार बिरला, बृजमोहन सूद, मनमोहन सूद, आशीष महरौल, अविनाश बिरला, वरदान घावरी, सोनू सुपरवाइजर, आशीष, आशू बिरला, श्रीमती कमलेश, राजकुमार जालौन, श्रीमती कविता देवी, श्रीमती राधा देवी, कान्ता देवी, श्यामो, कुलदीप हंस, महेन्द्र बेदी, श्रीमती गीता, कमल किशोर चंचल, श्रीमती सरला, रतन, नाथीराम, ईश्वर सिंह, तौसीफ, आदि भारी संख्या में मौजूद रहे।

मंडलायुक्त श्री गौरव दयाल की अध्यक्षता में संभागीय परिवहन प्राधिकरण (आर.टी.ए.) की बैठक संपन्न

बैठक में 05 स्टेज कैरिज, 06 टैम्पो/आटो रिक्शा के नवीनीकरण परमिट स्वीकृत।

भारत संवाद

अयोध्या (सू0वि0)- मंडलायुक्त श्री गौरव दयाल की अध्यक्षता में संभागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक आयुक्त सभागार में संपन्न हुई जिसमें जिलाधिकारी श्री निखिल टीकाराम फुंडे, उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) लखनऊ श्री राधेश्याम, सचिव संभागीय परिवहन प्राधिकरण सुश्री ऋतु सिंह तथा विभिन्न प्रकरणों व आवेदनों से संबंधित आपरेटर वाहन स्वामी आदि उपस्थित रहें।संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन अयोध्या ने पूर्व बैठक में लिए गये निर्णयों की अनुपालन आख्या प्रस्तुत की जिसको प्राधिकरण द्वारा अवलोकित किया गया एवं दिशा-निर्देश दिये गये। बैठक में उ०प्र० मोटर यान नियमावली 1998 के नियम-57 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण द्वारा प्रतिनिधायित शक्तियों के अर्न्तगत संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन अयोध्या द्वारा जारी किये गये मालवाहन आल यूपी/नेशनल, ठेका गाड़ी, निजी सेवायान स्कूल, स्टेज कैरिज के जारी एवं नवीनीकृत परमिटों का अवलोकन करते हुए अनुमोदन किया गया। मोटर गाड़ी अधिनियम, 1988 की धारा 72 के अन्तर्गत स्टेज कैरिज (मंजिली गाड़ी) के स्थायी परमिट स्वीकृत करने के सम्बन्ध में वाहन स्वामियों द्वारा प्रस्तुत 05 आवेदन पर विचार करते हुए स्वीकृति प्रदान की गयी। पूर्व बैठक में 18 वाहन स्वामियों को स्टेज कैरिज व 01 को नगर बस सेवा का परमिट स्वीकृत किया गया था किन्तु बार-बार बैठक व नोटिस द्वारा सूचित करने के बाद भी उन आवेदकों द्वारा परमिट अभी तक प्राप्त नहीं किया गया है जिसको विलंब शुल्क सहित प्राप्त करने की तिथि 15 जुलाई, 2025 को समाप्त हो रही है। सचिव को निर्देश दिये गये कि ऐसे समस्त आवेदकों को 15 जुलाई 2025 तक विलंब शुल्क जमा करके परमिट प्राप्त कर लें। अन्यथा इसके पश्चात स्वीकृति स्वतः निरस्त समझी जाएगी। साथ ही यह संभावना जतायी गयी कि या तो उक्त वाहन अवैध संचालन कर रहे हैं या अन्य तरह की परमिट प्राप्त कर अपना वाहन संचालित कर रहे हैं। अतः पुलिस, परिवहन आदि सभी चेकिंग अथारिटी गहनता से इनके संचालन की जाँच करें और अवैध संचालन की स्थिति में नियमानुसार कार्यवाही करते हुए प्राधिकरण को आख्या भेजें।

एनजीटी के नाम पर डेरी संचालकों का शोषण बर्दाश्त नहीं: संजय वालिया

स्मार्ट सिटी का पुतला फूंक जोरदार प्रदर्शन किया

भारत संवाद

सहारनपुर। एनजीटी के नाम पर डेयरी संचालकों के हो रहे शोषण के खिलाफ चल रहे आंदोलन के तहत आज डेयरी संचालक संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय वालिया के नेतृत्व में डेयरी संचालकों ने स्मार्ट सिटी का पुतला फूंका और 25 जून को होने वाले प्रदर्शन को सफल बनाने का आह्वान किया। आज डेयरी संचालक संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय वालिया के नेतृत्व में डेयरी संचालक धोबी घाट पहुंचे और नदी किनारे नगर निगम द्वारा बनाए गए कूड़ा डंपर के खिलाफ प्रदर्शन किया और स्मार्ट सिटी का पुतला भी फूंका। इस दौरान संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय वालिया ने कहा कि एनजीटी के नाम पर दूध बेचकर अपने परिवार का भर पोषण करने वाले डेयरी संचालको का नगर निगम उत्पीड़न कर रहा है जबकि एनजीटी के आदेशों की जगह-जगह अवहेलना हो रही है। उन्होंने कहा कि एनजीटी की ओर से स्पष्ट गाइडलाइन है कि नदी किनारे किसी प्रकार का कूड़ा घर या डंपर आदि नहीं बन सकता, लेकिन नगर निगम ने पांवधोई नदी किनारे कूड़ा डंपर बनाया हुआ है जो आदेशों की अवहेलना है और नदी की पवित्रता को भी भंग कर रहा है, लेकिन नगर निगम इस और तो ध्यान नहीं दे रहा है वह केवल डेयरी संचालकों का शोषण करने पर लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन चरणबद्ध जारी रहेगा 20 22 और 24 जून को अलग-अलग स्थान पर प्रदर्शन किया जाएगा और 25 जून को नगर निगम कार्यालय पर गाय भैंसों के साथ प्रदर्शन किया जाएगा और यदि उनका शोषण बंद ने किया गया तो वहीं पर अनिश्चितकालीन आंदोलन

शुरू किया जाएगा। इस दौरान राजेश शर्मा, अमरजीत सिंह, राजेश शर्मा, रणधीर सिंह, रियासत, लियाकत, आशीष, अमित, छोटन, राजू, बलदेव, पप्पू, शाहवेज, रवि, कुलदीप, पवन पाल आर्य, अमित, सौरभ, छोटन, आकाश, अनुज, प्रीतम, पवन लाल, संजू, सुलेमान, सुलेमान, इनाम, अकरम, निसार, पप्पू चैधरी, आदित्य, विकास, विशाल, आकाश, बिट्टू, अजय आदि मौजूद रहे।

निगम की कार्यशैली से जनता परेशान

भारत संवाद

सहारनपुर। स्मार्ट सिटी का कार्य उस वक्त लोगों की परेशानी का सबक बन गया जब बरतला यादगार रोड पर नाली के निर्माण कार्य को लेकर उद्घाटन किया गया और 17 दिन भी जाने के बाद भी 20 मीटर सड़क पर नालियां तोड़ कर रख दिया परंतु कार्य अभी शुरू नहीं हुआ जिसकी वजह से सारे मोहल्ले का पानी वहां पर सड़क पर आ गया और वहां से लोगों का निकलना आना-जाना दुबर हो गया इस गंदे पानी से निकलकर जाने वाले लोगों के कपड़े जूते गंदे हो जाते हैं और एकमात्र रास्ता होने के कारण लोग उस गंदे पानी से निकलकर जा रहे हैं लोगों का कहना है कि इस निर्माण कार्य को जल्द कराया जाए इस प्रोजेक्ट वर्क ना बनाया जाए क्योंकि कुछ समय बाद बरसात शुरू हो जाएगी इसके बाद यहां लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ेगा लेकर नगर निगम से भी शिकायत दर्ज कराई कार्य को तेजी से किया जाए यह रास्ता हलवाई अटटा, अरबी मदरसा वे अन्य मोहल्ले को जोड़ता है।

मानवीय संवेदनाओं की मिसाल बनीं मण्डलायुक्त संगीता सिंह

दुर्घटनाग्रस्त कार्मिक को दी व्हीलचेयर व वॉकर, बेहतर इलाज के दिए निर्देश

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): प्रशासनिक दायित्वों के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं की अनुपम मिसाल पेश करते हुए अलीगढ़ मण्डल की मण्डलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह ने बुधवार को कमिश्नरी कार्यालय में तैनात वरिष्ठ होमगार्ड एवं प्लाटून कमांडर सतेन्द्र पाल सिंह की सहायता करते हुए एक सराहनीय पहल की।सतेन्द्र पाल सिंह विगत तीन माह पूर्व एक सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल हो गए थे, जिससे उनके पैरों में गंभीर चोटें आईं। सर्जरी के उपरांत उन्हें चलने-फिरने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। इस कठिन समय में मण्डलायुक्त संगीता सिंह ने उनके प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए न केवल उनके स्वास्थ्य का व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लिया, बल्कि उन्हें व्हीलचेयर एवं वॉकर प्रदान कर शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामनाएं भी दीं। श्रीमती सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सतेन्द्र पाल सिंह के उपचार व देखभाल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे उन्हें कार्यस्थल व घर पर किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।मण्डलायुक्त द्वारा दिखाए गए इस मानवीय और संवेदनशील दृष्टिकोण की समस्त कमिश्नरी परिवार द्वारा मुक्त कंठ से सराहना की गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा कि श्रीमती संगीता सिंह जैसी करुणामयी, सहृदय और कर्तव्यपरायण अधिकारी दुर्लभ हैं, जो अपने अधीनस्थों की व्यक्तिगत समस्याओं को भी पूरी संवेदनशीलता से समझती हैं और उनके निराकरण के लिए तत्पर रहती हैं। इस प्रेरणादायी पहल के लिए मण्डल भर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मण्डलायुक्त का आभार प्रकट किया और उन्हें एक सच्चे प्रशासक के साथ-साथ संवेदनशील मानव होने का प्रतीक बताया।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर बदमाश गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना चिलकाना पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। जिसके कब्जे से एक तमंचा, बिना नम्बर प्लेट की मोटर साइकिल व अन्य सामान बरामद किया गया।अवगत कराना है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर के निर्देशन में अपराध नियंत्रण, वांछित/वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी व गौकशी/पशु चोरी एवं अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा लगातार सघन चैकिंग/गश्त की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 18.06.2025 को सुबह करीब 04.15 बजे प्रभारी निरीक्षक चिलकाना पुलिस टीम के साथ ग्राम दूमझेड़ा से घोड़ा पीपली रोड़ पर बुद्धी यमुना पुल के पास संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चैकिंग कर रहे थे तभी घोड़ा पीपली की तरफ से बिना नम्बर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार 01 संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया, पुलिस टीम द्वारा मोटरसाइकिल सवार को रुकने का ईशारा किया गया तो नही रूका और मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति मोटरसाइकिल को वापस मोडते समय अनियन्त्रित होकर गिर गया और पुलिस टीम को नजदीक आते देख बदमाश द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी, पुलिस की आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल बदमाश को गिरफ्तार किया गया।

किसान दिवस का आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर। कृषि विज्ञान केन्द्र, खजूरी बाग, सहारनपुर में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में आये कृषकों को कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डा0 वीरेन्द्र कुमार के द्वारा गन्ने की फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन के बारे में विस्तार से बताया गया। डा0 मनोज सिंह वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा उपस्थि कृषकों को पशुपालन के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी एवं डा0 आई.के. कुशवाहा अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा वर्तमान में आम की फसल व बागों में फ्रूट फ्लाई के प्रबन्धन के विषय में जानकारी दी। श्री भूपेन्द्र मलिक एस0एम0एस0 कृषि विभाग के द्वारा कृषि यत्रों पर अनुदान प्राप्त करने हेतु प्रक्रिया विस्तार से बताई गई एवं अमित कुमार एस0 एम0एस0 के द्वारा खरीफ फसल के बीजों पर अनुदान एवं स्वीट कार्न की खेती के विषय में जानकारी दी। कृषकों के द्वारा उठाये गये तकनीकी प्रश्नों का सम्बन्धित द्वारा समाधान किया गया। किसान दिवस में कुल 26 कृषकों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे

L.No. E/CS/D&AR/Ram Bhajan/2024/14 दिनांकः 14.06.2025

गैर हाजिरी सूचना

श्री राम भजन पुत्र श्री ननकू लाल, पदनाम- ट्रैकमेन्टेनर-I, अधीनस्थ-वरि॰ खण्ड अभियंता/पी.वे./उ.म.रे./प्रयागराज, स्थाई पताः 151-C/6 करैलाबाग, बालू मार्केट, जी.टी.बी॰ नगर, जिला-प्रयागराज, उ.प्र., पिन कोड-211016, आपको दिनांक-**06.08.2024** से **13.09.2024** तक लगातार रेलवे सर्विस में बगैर किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने के कारण रेल नियम के अन्तर्गत मानक फॉर्म-5 (मेजर पेनाल्टी चार्जशीट) आरोप सं॰ E/CS/D&AR/Ram Bhajan/2024/14 dated 18.08.2024 जारी किया गया, पदुपरांत श्री अखिलेश कुमार वरि॰ खण्ड अभि./रे.प./सैयद-सरॉवां को दिनांक **10.10.2024** को जाँच अधिकारी नियुक्त किया गया। उक्त मामले की जाँच करके जाँच अधिकारी ने जाँच कार्यवाही की सम्पूर्ण पत्रावलियों सहित अपनी फाइन्डिग रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक **23.12.2024** को प्रस्तुत किया। प्रस्तुत जाँच पत्रावलियों का अधोहस्ताक्षरी द्वारा निष्पक्षता के साथ अवलोकन किया गया एवं वरि॰ खण्ड अभियंता/रे.प./प्रयागराज के अनुशंसा से परिलक्षित है कि आपके आदत में सुधार नहीं हो रहा है तथा आपको रेलवे सर्विस में अनुपस्थित रहने का आदी बताया गया है। आपके सर्विस रिकॉर्ड को देखने से भी यह प्रतीत होता है कि आप रेल सेवा में ड्युटी के प्रति अत्यन्त लापरवाह है।

उपरोक्त के सम्बन्ध में आपको दिनांक **24.12.2024** एवं **25.01.2025** को '**कारण बताओ नोटिस**' जारी किया गया है, जिसके सापेक्ष आपने स्वयं अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत किया है, जोकि नियमानुसार संतोषजनक नहीं है। अधोहस्ताक्षरी (अनुशासनिक अधिकारी) द्वारा जाँच निष्कर्ष विवरण का निष्पक्षता के साथ अध्ययन करने एवं आपके लगातार (बार-बार) अनुपस्थित रहने का आदी प्रतीत होने के कारण दण्ड स्वरूप "**वेतनमान जी.पी. 2800 से जी.पी. 2400 में पदावनति (DEMOTION) तीन साल के लिए की जाती है, जो भविष्य में भी प्रभावी रहेगा**" के साथ दण्ड इम्पोज किया गया, परन्तु आप दिनांक **05.03.2025** से अभी तक ड्युटी ज्वाइन करने हेतु उपस्थित नहीं हुए है, जबकि श्री राहुल कुमार मौर्य, वरि॰ खण्ड अभियंता/रे.प./यार्ड/उ.म.रे./प्रयागराज के माध्यम से पत्र दिया गया परन्तु आपके द्वारा पत्र लेने से इंकार कर दिया गया। तत्पश्चात वरि॰ खण्ड अभियंता/रे.प./उ.म.रे./प्रयागराज कार्यालय द्वारा कार्यालय अभिलेख में दर्ज पते पर दिनांक **13.03.2025** एवं **28.04.2025** रजिस्टर्ड डाक द्वारा भी पत्र भेजा गया लेकिन डाकिया से पत्र लेने से पुनः इंकार कर दिया गया।

अतः आपको अन्तिम अवसर देते हुए पुनः सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के एक सप्ताह के अन्दर पूर्ण स्पष्टीकरण सहित रेल सेवा में ड्युटी हेतु सहायक मण्डल अभियंता/लाइन/उ.म.रे./प्रयागराज (अनुशासनात्मक अधिकारी) के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् अग्रिम कार्यवाही करते हुए आपके विरूद्ध रेल सेवा से निष्कासन की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा सकती है।

नामः श्री राम भजन
पदनामः- ट्रैकमेन्टेनर-I,
जिलाः- प्रयागराज
पिन कोडः 211016

(अनुशासनात्मक अधिकारी)
सहा. मण्डल अभि./लाइन
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
1046/25 (MG)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

वर्षा पर भारी योग की खुमारी , योग दिवस कार्यक्रमों का सिलसिला जारी

भारत संवाद

सहारनपुर। वर्षा के चलते भी योगी नहीं रुके। गोविंद विहार कॉलोनी में आज योग सत्र का आरंभ ध के उच्चारण और शंख ध्वनि के साथ ठीक सुबह 6.30 बजे हो गया।

बड़ी संख्या में मौजूद कॉलोनी वासियों ने योग के सूत्र सीखे और प्राणायाम का अभ्यास किया योग सत्र का आयोजन मोक्षायतन के वरिष्ठ साधक और जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नंदकिशोर शर्मा और दीक्षा यादव और डॉक्टर राम केवल यादव ने मिल कर किया। योगाभ्यास के दौरान विभिन्न आसनों से होने वाले लाभ बताए गए साथ में योग करते समय जो सावधानी लेनी चाहिए उनके बारे में भी बताया गया, योग सत्र में महिला और पुरुषों दोनों ने खूब रुचि दिखाई।शिविर सर्व कल्याण प्रार्थना के साथ सत्र पूर्ण हुआ,शिविर में पूर्व सभासद प्रमोद चैधरी,नेत्रपाल, विजयपाल,इंदरपाल,के के सिंह और नीलम शर्मा,मीनाक्षी,अनिता,रजनी, मोना,गुड़िया आदि मौजूद रहे!

इससे पूर्व मोक्षायतन योग संस्थान की साधिका योगाचार्या अनिता शर्मा व शिक्षिका माला शर्मा ने सामूहिक योग कराया और कहा कि गुरूदेव स्वामी भारत भूषण जी की प्रेरणा से बह रही है यह योगधारा! आयोजन में में मंजू कौशल सीमा, उमा, प्रीति, रमा, कान्ता ,भावना, रीता, भारती, अंजू, तरुणादित्य, उर्मिला, आदि बड़ी तादाद में योग जिज्ञासु उपस्थित रहे जबकि भूतेश्वर मन्दिर में बालयोग संस्कार शिविर में योग संस्कार अभियान का नेतृत्व माला शर्मा ने किया। उधर माधव नगर में सीमा गुप्ता द्वारा निरूशुल्क योग प्रशिक्षण संचालित करके २१ जून को गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण के संरक्षण में अम्बेडकर स्टेडियम में होने वाले मुख्य सामूहिक योगदिवस कार्यक्रम में शामिल होने का लाभ लेने का आवाह्न किया गया।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

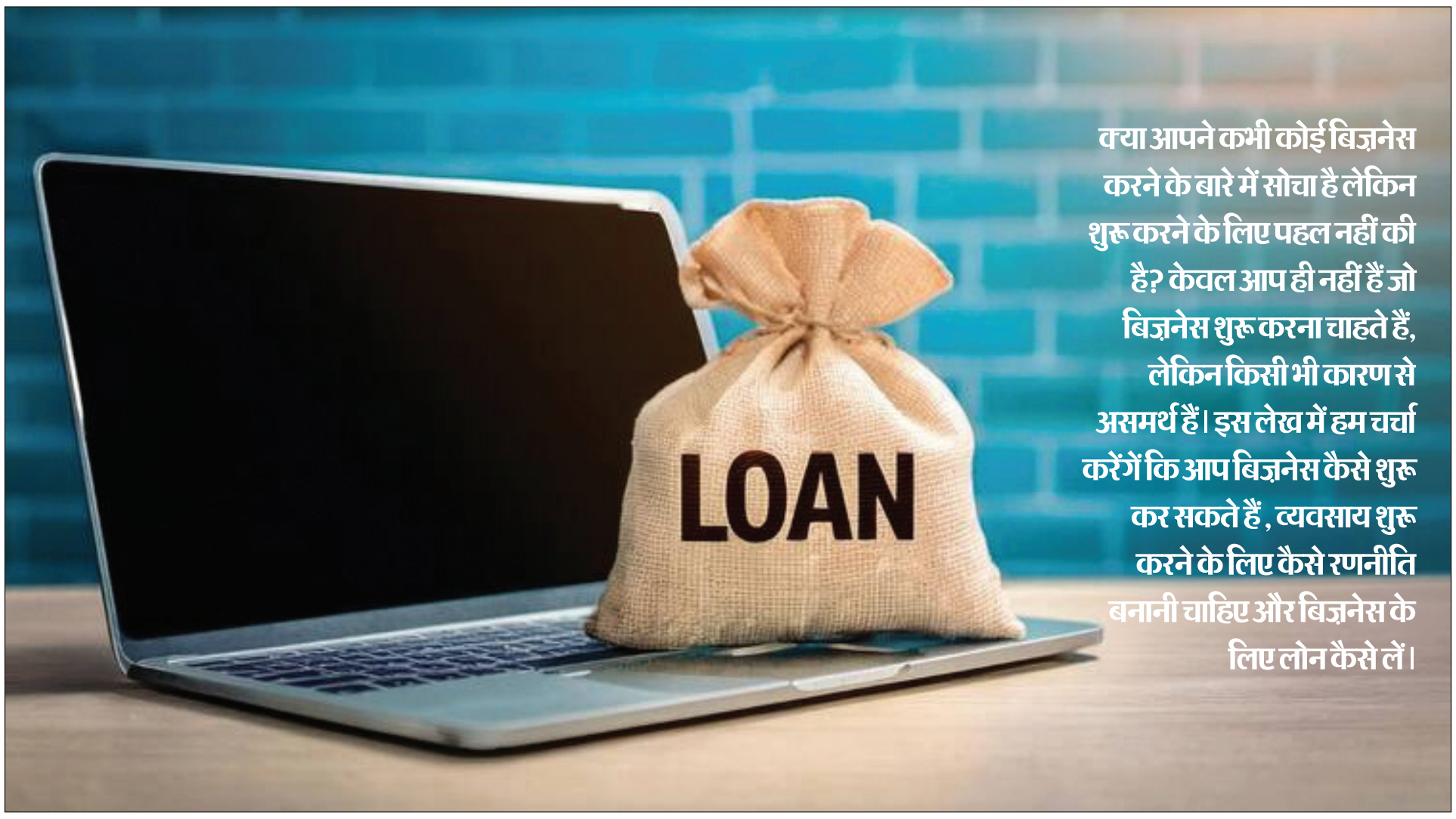

बिज़नेस कैसे शुरू करें? ऐसे मिलेगा बिज़नेस शुरू करने के लिए लोन

व्यवसायी बनने का विचार/आइडिया

वर्किंग टाइम, वर्क प्रोफाइल, लाइफस्टाइल, पब्लिक डीलिंग, निवेश का समय आदि से जुड़ें नौकरीपेशा कर्मचारी और व्यवसाय करने वाले के बीच बहुत बड़ा अंतर है। व्यवसायिक बनने से पहले दो बार सोचें। जिस प्रकार का व्यवसाय आप शुरू करना चाहते हैं, बाज़ार में इसकी मांग, व्यवसाय का आकार, निवेश की आवश्यकता और वार्षिक बजट कुछ ऐसे कारक हैं, जिन पर आपको अवश्य विचार करना चाहिए। यदि आप इन सभी सवालों के जवाब के साथ तैयार हैं, तो आप अपना खुद का बिज़नेस शुरू करने के लिए तैयार हैं।

अपने कौशल (स्किल) के अनुसार बिज़नेस चुनें

एक नया बिज़नेस शुरू करने के लिए कौशल/स्किल तैयार करने की आवश्यकता होती है जो किसी बिज़नेस की आवश्यकताओं से मिलता हो। लोगों को उस व्यवसाय को शुरू या उसमें निवेश करना चाहिए जो कहीं न कहीं उनके कौशल से जुड़ा है। हर कोई किसी न किसी काम में अच्छा होता है; बस ज़रूरत है प्रतिभा को ढूढ़ने और उसे बेहतर बनाने की। बिज़नेसमैन बनने की योजना बनाने से पहले अपने आप को बेहतर तरीके से जानें, अपनी खूबियों और खामियों का विश्लेषण करें। एक नए क्षेत्र को पूरी तरह से चुनना जोखिमभरा है।

बिज़नेस और बाज़ार का विश्लेषण

सबसे महत्वपूर्ण कारक जो किसी व्यवसाय को सफल या असफल बनाता है। वह है बिज़नेस पर रिसर्च और मार्केट विश्लेषण। सुनिश्चित करें कि आप जो बिज़नेस शुरू करने वाले हैं, उसकी मार्केट में मांग है और ज़्यादा व्यापारियों द्वारा इस बिज़नेस को न किया जा रहा हो। अपने बिज़नेस के कॉम्पिटिटर्स को ढूंढें और बिज़नेस करने के उनके स्टाइल का पता लगाएं। अपने बिज़नेस से जुड़े प्रोडक्ट, कच्चे माल, मशीनरी, उपकरण, आदि की मांग को पूरा करने के लिए सप्लायर का पता लगाएं। बाज़ार में पहले से ही बेचे गए प्रॉडक्ट के खर्च और कीमतों को ट्रैक करें और देखें कि लोगों को अंत में लाभ कितना हो रहा है।

खर्च जानें

आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि बिज़नेस शुरू करने में आपका कितना खर्च आएगा। अगला सवाल आपको खुद से पूछने की ज़रूरत है कि 'क्या आपके पास अपना बिज़नेस शुरू करने के लिए उचित फंड है या आपको बैंक से लोन लेने की आवश्यकता होगी?' यदि आपको और अधिक पैसों की आवश्यकता है तो आपके लिए बिज़नेस लोन के लिए आवेदन करना सबसे सुरक्षित विकल्प है। यह कदम पहले से उठाया जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश स्टार्टअप स्थापित होने में विफल होते हैं क्योंकि वे अपने बिज़नेस की स्थापना के शुरुआती चरणों में पैसों की मांग को पूरा नहीं कर पाते हैं।

बिज़नेस प्लान बनाना

बिज़नेस प्लान में आपके व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारी शामिल होनी चाहिए। यह मूल रूप से आपके बिज़नेस और इसकी ग्रोथ में मदद करने के लिए एक रोड मैप है। बिज़नेस प्लान आपके लाभ का परीक्षण करने और आपकी आर्थिक आवश्यकताओं को समझने में मदद करती है। इसके अलावा, यदि आप व्यवसाय बढ़ाने के उद्देश्यों के लिए बिज़नेस लोन लेना चाहते हैं, तो अच्छी तरह से बिज़नेस प्लान को लोन संस्थानों में जमा करें, जिसमें बैंक और एनबीएफसी शामिल हैं।

स्थान तय करें

बिज़नेस के लिए लोकेशन सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है जो एक एंटरप्रेन्योर लेता है, क्योंकि यह व्यवसाय का भविष्य तय करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने बिज़नेस की भौतिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए, दो बातों पर विचार करना चाहिए। पहला ग्राहकों के उद्देश्य के लिए उनकी आवश्यकता और दूसरा मार्केट / शॉपिंग मॉल। यह नेटवर्किंग के अवसरों और ग्राहक आधार को बढ़ाता है।

अपने बिज़नेस को सेट करना

एक बार लोकेशन फाइनल हो जाने के बाद और रेंट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया जाता है (यदि लागू हो), तो अगली बड़ी बात आपके बिज़नेस को नीचे दी गई बातों के पर भी ध्यान देना चाहिए-

अपने बिज़नेस का नाम

अपने बिज़नेस को रजिस्टर्ड करना

कंपनी के नाम के तहत एक करंट अकाउंट खोलना

एक टिन, पैन और जीएसटी नंबर प्राप्त करना

अकाउंट सिस्टम चुनना

एक वेबसाइट बनाना

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट खोलना

ये कदम आपके बिज़नेस को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने में आपकी मदद करेंगे और व्यवसाय की ग्रोथ को बढ़ाएँगे।

स्टाफ को काम पर रखना शुरू करें

शुरूआत में बिज़नेस चलाने के लिए आपको कितने स्टाफ की ज़रूरत है, उसकी चयन करें। साथ ही, बेहतर कौशलता, प्रॉडक्टिविटी और लाभ के लिए अनुभवी और कुशल लोगों को काम पर रखें। बिज़नेस के आकार के आधार पर आप संबंधित व्यवसाय टाइप के अनुसार, अधिकारियों, ग्राहकों की देखभाल के प्रतिनिधियों, मार्केटिंग एक्सपर्ट, अकाउंटेंट, ह्न्ञ पेशेवरों, ॥क्र कर्मियों और अन्य पेशेवरों को काम पर रख सकते हैं।

अपने बिज़नेस का ब्रान्ड और विज्ञापन करें

अपने बिज़नेस का एक लोगो बनाएं जिससे ग्राहक आपके बिज़नेस का आसानी से पहचान सकें। लोगों को अपने व्यवसाय के बारे में बताएं ताकि आपके पास सामान या सेवाएं खरीदने के लिए आ सकें। अपने बिज़नेस के विस्तार के लिए अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अकाउंट बनाएं। एक मार्केट प्लान बनाएं, इसलिए व्यवसाय के शुरुआती छह महीनों में उसका विज्ञापन करने के लिए एक निश्चित बजट होना चाहिए।

बिल्डिंग एसोसिएशन

मार्केट में बने रहने और लाभ कमाने के लिए, आपको प्रभावशाली ब्लॉगर्स और फ्री/ सैंपल गिफ्ट या प्रोडक्ट के एक्सचेंज के लिए प्रमोशन करना होगा। अपनी पहचान बनाने के लिए चैरिटी संगठनों के साथ जुड़ें और कुछ प्रोडक्ट के साथ वॉलेंटियर करें। बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं के लिए उद्योग में मौजूदा बड़े ब्रॉन्ड के साथ कोलैबोरेशन करें।

धैर्य रखें और आगे बढ़ते रहें

एक स्टार्टअप व्यवसाय के शुरूआती चरणों में, लाभ मार्जिन या ब्रेकवेन के बजाय बिक्री पर अधिक ध्यान दें। अधिकांश उद्यमियों ने धैर्य और फोकस की कमी के कारण बिज़नेस बीच में ही छोड़ दिया। व्यापार के शुरुआती चरणों के दौरान लगातार बने रहना मुश्किल काम है, इसमें निरंतरता टूटती है और ध्यान भंग होता है जिससे नुकसान होता है। इसलिए, हमेशा यह सुझाव दिया जाता है कि धैर्य रखें और कड़ी मेहनत करते रहें और सही समय आने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

गाइड बनकर भी कर सकते हैं लाखों की कमाई, ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

शॉर्ट टर्म कोर्स कर बना सकते हैं करियरकरियर बनाने के लिए जरूरी नहीं कि कोई बड़ा कोर्स या फिर डिग्री ली जाए. अगर आपके पास हुनर है तो आप किसी भी फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं. आपने कई टूरिस्ट गाइडों को देखा होगा, जो सिर्फ अपने तजुर्बे और इतिहास का ज्ञान रखकर हजारों टूरिस्ट्स को घुमाते हैं और काफी अच्छा पैसा भी कमा लेते हैं. एक गाइड बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आपके पास कोई डिग्री हो. कुछ महीनों के डिप्लोमा के साथ इसके लिए बस आपको अपने आस-पास के शहरों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए. हम आपको यहां बता रहे हैं कि गाइड बनकर कैसे आप अपने करियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं और घूमते फिरते कमाई कर सकते हैं.

संस्कृति और इतिहास का ज्ञान –एक गाइड बनने से पहले यह जरूर सोच लें कि क्या आपको अपने शहर की संस्कृति या फिर उसके इतिहास का पूरा ज्ञान है. अगर ऐसा नहीं है तो आप एक अच्छे गाइड नहीं बन सकते हैं. कोई भी टूरिस्ट आपसे कुछ भी प्रश्न कर सकता है

और गलत उत्तर से आप उनका भरोसा खो देंगे. इसीलिए इतिहास की हर छोटी और रोमांचक जानकारियां अपने पास रखें.

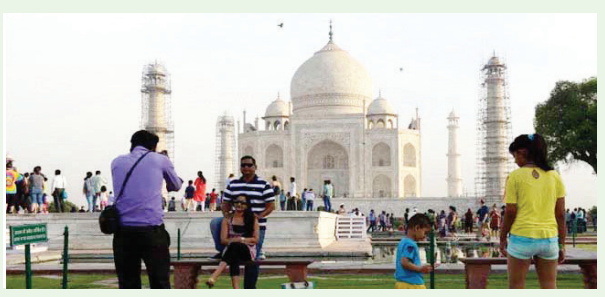

हाजिर जवाब होना भी जरूरी – किसी भी गाइड को हाजिर जवाब होना जरूरी होता है. इससे पता चलता है कि आप कितने अनुभवी हैं और आपको चीजों की कितनी समझ है. बातों को रोमांचक तरीके से लोगों को बताना एक कला है, जो एक गाइड के तौर पर सीखना बहुत जरूरी है. आपके साथ मौजूद टूरिस्ट्स को जानकारी के साथ-साथ आपकी बातों से मजा भी आना चाहिए.

लोगों की जेब का रखें खयाल –अगर आप एक गाइड हैं तो आपको लोगों की यानि जिन्हें आप घुमा रहें हैं उनकी जेब का खयाल रखना जरूरी है. ऐसे में लोगों को किसी रीजनेबल होटल, रेस्तरां आदि में खाना खिलाना, किसी अच्छे होटल में ठहराना और टैक्सी आदि की सुविधा मुहैया करवाने जैसी सुविधाएं शामिल हैं.

कुछ महीनों का डिप्लोमा कोर्स – गाइड के कोर्स के लिए देशभर में कई इंस्टिट्यूट 3 या 6 महीना का डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं. ऐसे कोर्स करके आप आधिकारिक तौर पर एक गाइड के रूप में काम कर सकते हैं. इस कोर्स में आपको टूरिस्ट्स के साथ बात करने के जरूरी टिप्स भी बताए जाते हैं.

मौके भी कम नहीं – अगर आपने किसी अच्छे संस्थान से टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट का कोर्स किया है तो आपके पास मौकों की कोई भी कमी नहीं होगी. कई ऐजेंसियां इसके लिए वेकेन्सी निकालती हैं और एक अच्छे पैकेज पर गाइड हायर करती हैं.

ये हैं एयरफोर्स में करियर बनाने के छह आसान रास्ते

आपके कौन सा सही रहेगा

भारतीय वायुसेना में करियर बनाना कई युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी एयरफोर्स में शामिल होने का विचार कर रहे हैं, तो जानिए वो छह आसान तरीके जिनसे आप इस गौरवपूर्ण करियर का हिस्सा बन सकते हैं।

भारतीय वायुसेना देश की ताकतवर और सम्मानित सेनाओं में से एक है। यहां नौकरी करना सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि देशसेवा और गर्व की बात मानी जाती है। हर साल हजारों युवा एयरफोर्स का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि इस फोर्स में भर्ती होने के कई रास्ते हैं। 12वीं के बाद से लेकर ग्रेजुएशन और डिप्लोमा तक, हर स्तर पर एंट्री पॉसिबल है।

अगर आप भी आसमान में उड़ना चाहते हैं और वर्दी पहनना आपका सपना है, तो जानिए कौन-कौन से एग्जाम और एंट्री स्कीम्स हैं, जिनसे आप भारतीय वायुसेना का हिस्सा बन सकते हैं।

12वीं के बाद एयरफोर्स में ऑफिसर बनने का मौका (एनडीए)

एनडीए एग्जाम यूपीएससी द्वारा साल में दो बार आयोजित किया जाता है। इसमें 12वीं (फिजिक्स + मैथ्स) पास लड़के हिस्सा ले सकते हैं। सेलेक्शन के बाद कैंडिडेट्स एनडीए पुणे में ट्रेनिंग पाते हैं और फिर एयरफोर्स अकादमी में भेजे जाते हैं। यहां से पासआउट होकर वे फ्लाइंग ब्रांच या टेक्निकल/नॉन-टेक्निकल ब्रांच में ऑफिसर बनते हैं।

ग्रेजुएशन के बाद ऑफिसर की सीधी एंट्री

सीडीएस एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है और ग्रेजुएट कैंडिडेट्स इसके जरिए एयरफोर्स एकेडमी (स्न, हैदराबाद) में दाखिला पा सकते हैं। यह परीक्षा साल में दो बार होती है और सफल कैंडिडेट्स को फ्लाइंग ऑफिसर की ट्रेनिंग दी जाती है।

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट है, जिसके जरिए फ्लाइंग, ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल) ब्रांच में भर्ती होती है। यह पुरुष और महिला दोनों के लिए खुला होता है और इसमें ग्रेजुएट्स आवेदन कर सकते हैं। हर साल दो बार यह परीक्षा होती है और इसे सबसे सुगम तरीका माना जाता है।

12वीं या डिप्लोमा के बाद एयरमैन भर्ती

भारतीय वायुसेना हर साल ग्रुप एक्स और ग्रुप वाय ट्रेड्स में भर्ती आयोजित करती है। ग्रुप एक्स में टेक्निकल ट्रेड्स आते हैं जैसे- मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि। वहीं ग्रुप वाय में नॉन-टेक्निकल पोस्ट होती हैं, जैसे- क्लर्क, मेडिकल असिस्टेंट और अन्य सपोर्ट स्टाफ। अगर आपने 12वीं (साइंस स्ट्रीम) या तकनीकी डिप्लोमा किया है, तो आप भारतीय वायुसेना में एयरमैन पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बिना लिखित परीक्षा के सीधा इंटरव्यू

यदि आपने एनसीसी एयर विंग से सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया है, तो आप एयरफोर्स में फ्लाइंग ब्रांच के लिए बिना कोई लिखित परीक्षा दिए आवेदन कर सकते हैं। इस एंट्री स्कीम के तहत एएफसीएटी या सीडीएस जैसी परीक्षाएं देने की आवश्यकता नहीं होती। इसमें केवल एसएसबी इंटरव्यू होता है और यह रास्ता ज्यादा कॉम्पिटीशन वाले लोगों के लिए बेहतरीन माना जाता है।

अग्निवीर वायू

सरकार की नई योजना 'अग्निपथ' के तहत एयरफोर्स में भी अग्निवीर वायू की भर्ती शुरू हुई है। इसमें 17.5 से 21 साल के युवा आवेदन कर सकते हैं और चार साल की सर्विस के बाद कुछ प्रतिशत को परमानेंट नियुक्ति मिलती है। यह स्कीम युवाओं को फौज में आने का नया अवसर देती है।

जंग में उतरा खामनेई का बेटा! इजरायल में भयंकर तबाही

सबसे बड़े तेल अड्डा हाइफा को किया ध्वस्त

एजेंसी

ईरान भले ही ये कह रहा हो कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण मकसद के लिए है।लेकिन दुनिया यही मान रही थी, खासकर इजरायल और अमेरिका ये मान रही थी कि ईरान परमाणु बम बनाने के काफी करीब पहुंच चुका था। इजरायल ने अपने ताबड़तोड़ स्ट्राइक से यूरेनियम इनरिचमेंट प्लांट को तबाह कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका जानता है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई कहां छिपे हैं। ट्रंप ने कहा कि वह आसान टारगेट है।लेकिन वे उन्हें मारने नहीं जा रहे हैं। ट्रंप की चेतावनी के बाद, खामेनेई ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जाकर युद्ध की घोषणा करते हुए कहा कि युद्ध शुरू हो गया है। लड़ाई वास्तव में शुरू हो गई है, लेकिन इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि 86 वर्षीय ईरानी नेता अब पहले से कहीं अधिक अलग-थलग पड़ गए हैं। उनके कई शीर्ष सैन्य और सुरक्षा सलाहकार इजरायली हवाई हमलों में

मारे गए हैं, जिससे उनकी टीम में बड़ी कमी आ गई है। मामले से परिचित पांच लोगों के हवाले से रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे उनकी निर्णय लेने की प्रक्रिया प्रभावित होने की संभावना बढ़ गई है। इजरायल द्वारा किए गए हमले के बाद से ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडर मारे गए हैं, जिनमें अयातुल्ला खामेनेई के कुछ सबसे करीबी सलाहकार भी शामिल हैं, जो उनकी विशिष्ट सेना रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के हैं। मारे गए लोग खामेनेई के लगभग 15 से 20 सलाहकारों के भरोसेमंद समूह का हिस्सा थे। इस समूह में गार्ड कमांडर, धार्मिक नेता और राजनेता शामिल हैं। ईरानी नेता खामेनेई को देश के अंदर और बाहर दोनों जगह कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि ईरानी सुरक्षा बल आमतौर पर विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित करने और व्यवस्था बनाए रखने में कामयाब रहे हैं, पश्चिमी प्रतिबंधों के वर्षों ने अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विशेषज्ञों का मानना है कि यह आर्थिक दर्द अंततः देश के भीतर अशांति का कारण बन सकता है। इसके अलावा, खामेनेई इजरायल के साथ बढ़ते संघर्ष से भी जूझ रहे हैं। हालांकि, तनाव के बीच, एक व्यक्ति जो विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो गया है, वह है अयातुल्ला का बेटा, मोजतबा खामेनेई। पिछले 20 वर्षों में, मोजतबा ने अपने पिता की व्यवस्था में एक बड़ी भूमिका निभाई है। वह विभिन्न राजनीतिक समूहों, धार्मिक हस्तियों और सैन्य नेताओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार के भीतर कुछ लोग मोजतबा को अपने पिता के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में भी देखते हैं। मोजतबा एक मध्यम श्रेणी के मौलवी हैं और उन्होंने शक्तिशाली रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के साथ मजबूत संबंध बनाए हैं। इससे उन्हें ईरान की राजनीतिक और सुरक्षा व्यवस्था में अतिरिक्त प्रभाव मिलता है। उनकी बढ़ती भागीदारी से पता चलता है कि कैसे सर्वोच्च नेता का परिवार इन तनावपूर्ण समय के दौरान देश को चलाने में बड़ी भूमिका निभा रहा है।

> लड़ाई वास्तव में शुरू हो गई है, लेकिन इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि 86 वर्षीय ईरानी नेता अब पहले से कहीं अधिक अलग-थलग पड़ गए हैं। उनके कई शीर्ष सैन्य और सुरक्षा सलाहकार इजरायली हवाई हमलों में मारे गए हैं, जिससे उनकी टीम में बड़ी कमी आ गई है। मामले से परिचित पांच लोगों के हवाले से रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे उनकी निर्णय लेने की प्रक्रिया प्रभावित होने की संभावना बढ़ गई है।

एफटीए, व्यापार, निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा के लिए गोयल पहुंचे लंदन

एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ब्रिटेन और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने तथा दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों का पता लगाने के लिए दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर लंदन में हैं। बुधवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इस यात्रा के दौरान गोयल ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, दोनों नेता एफटीए पर हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे तथा इसे अंतिम रूप देने और कार्यान्वयन के लिए एक स्पष्ट, समयबद्ध खाका तैयार करेंगे। भारत और ब्रिटेन ने छह मई को

एफटीए पर सहमति बनने की घोषणा की थी। इस समझौते का उद्देश्य श्रम-प्रधान भारतीय निर्यात जैसे चमड़ा, जूते और कपड़े पर शुल्क समाप्त करना जबकि व्हिस्की तथा कारों जैसे ब्रिटेन के उत्पादों के आयात को आसान बनाना है। इसका लक्ष्य 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को दोगुना करके 120 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना भी है। समझौते पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर होना और इसका क्रियान्वयन होना बाकी है। गोयल, ब्रिटेन की राजकोष चांसलर रेचल रीव्स से भी मुलाकात करेंगे और दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक प्राथमिकताओं, वित्तीय सहयोग एवं निवेश सुविधा पर चर्चा करेंगे। रचनात्मक उद्योगों तथा नवाचार-संचालित क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशने के लिए उनकी संस्कृति, मीडिया एवं खेल मंत्री लिसा नैंडी से भी मिलने की योजना है। बयान में कहा गया है,

ये बैठकें वैश्विक व्यापार जगत के नेताओं, निवेशकों एवं नीति विशेषज्ञों को एक साथ लाएंगी, ताकि भारत-ब्रिटेन आर्थिक गलियारे की रणनीतिक रूपरेखा तथा प्रस्तावित एफटीए के परिवर्तनकारी प्रभाव पर विचार-विमर्श किया जा सके। मंत्री, वाणिज्यिक संबंधों को गहरा करने और सीमा पार निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पोत परिवहन, वित्तीय प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स तथा उन्नत विनिर्माण सहित प्रमुख क्षेत्रों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) और उद्योग हितधारकों के साथ भी बातचीत कर सकते हैं। भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 के 20.36 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 21.34 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया था।

> पोत परिवहन, वित्तीय प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स तथा उन्नत विनिर्माण सहित प्रमुख क्षेत्रों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) और उद्योग हितधारकों के साथ भी बातचीत कर सकते हैं।

भारत ने ना मध्यस्थता स्वीकारी थी, ना स्वीकारेंगे -पीएम मोदी

ऑपरेशन सिंदूर पर मोदी-ट्रम्प की फोन पर 35 मिनट बात

एजेंसी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत की, जो लगभग 35 मिनट तक चली। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े किसी भी विषय में व्यापार से संबंधित कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान के कहने पर ही भारत ने सीजफायर किया था। भारत कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता और आगे भी नहीं करेगा। साथ ही, पीएम मोदी ने यह भी जोर देकर कहा कि अब भारत आतंकवाद की घटनाओं को प्रॉक्सी वॉर (परदे के पीछे की लड़ाई) नहीं, बल्कि सीधे युद्ध की कार्रवाई के रूप में देखेगा। भारत का ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। विदेश सचिव ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने पीएम मोदी की तरफ से विस्तार में बताई गई बातों को समझा और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के प्रति समर्थन जताया। पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की मुलाकात जी7 के इतर होनी तय थी, लेकिन ट्रम्प को 17 जून को जी7 छोड़कर अमेरिका लौटना पड़ा। इस कारण ये मुलाकात नहीं हो सकी। इसके बाद ट्रम्प के कहने पर दोनों नेताओं की फोन पर बात हुई। बातचीत करीब 35 मिनट चली। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने फोन पर पीएम मोदी से शोक संवेदना जताई थी और आतंक के खिलाफ समर्थन जताया था। इसके बाद दोनों नेताओं 18 जून को यह पहली बातचीत थी। इसलिए पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प ने ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तार से बात की। मिसरी ने ये भी बताया कि पीएम मोदी ने ट्रम्प को यह स्पष्ट रूप से कहा कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना दृढ़ संकल्प पूरी दुनिया को बता दिया था। भारत ने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया था। भारत के एक्शन बहुत ही मेजर्ड (नपे-तुले), प्रिसाइज (सटीक) और नॉन-एस्केलेटरी थे। साथ ही भारत ने ये भी स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान की गोली का जवाब हम गोले से देंगे। विदेश सचिव मिसरी ने ये बताया कि 9 मई की रात को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी को फोन किया था। वेंस ने कहा था कि पाकिस्तान, भारत पर बड़ा हमला कर सकता है। पीएम मोदी ने उन्हें साफ शब्दों में बताया था कि यदि ऐसा होता है तो भारत, पाकिस्तान को उससे भी बड़ा जवाब देगा।

9-10 मई की रात को पाकिस्तान के हमले का भारत ने सशक्त जवाब दिया और पाकिस्तान को सेना को बहुत नुकसान पहुंचा। उसके मिलिट्री एयरबेस को इनऑपरेबल (फ्लाइट संचालन न होने योग्य) बना दिया। भारत के मुंहतोड़ जवाब के चलते पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई रोकने का आग्रह करना पड़ा।

बम विस्फोट से पाकिस्तान में जाफर एक्सप्रेस के छह डिब्बे पटरी से उतरे

एजेंसी

पाकिस्तान में रेलवे पटरी के पास लगाए गए एक बम की चपेट में आने से जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के छह डिब्बे बुधवार को पटरी से उतर गए। यह दुर्घटना सिंध प्रांत के जैकोबाबाद जिले में हुई जो बलूचिस्तान प्रांत की सीमा पर स्थित है। प्राधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जैकोबाबाद में मवेशी बाजार के पास रेलवे पटरी के पास विस्फोट हुआ जिससे जाफर एक्सप्रेस के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। विस्फोट के बाद पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी ने इलाके की घेराबंदी कर दी। प्राधिकारी यह पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं कि यह विस्फोट किस कारण हुआ।

विस्फोट के बाद मार्ग पर ट्रेन परिचालन अस्थायी रूप से बाधित हो गया। अभी तक किसी भी समूह ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। हाल के महीनों में यह दूसरी बार है जब जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया गया है। इससे पहले मार्च में बलूचिस्तान के बोलन इलाके में क्वेटा से पेशावर जाते समय इस पर हमला हुआ था। उस समय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हमले की जिम्मेदारी ली थी। उसने ट्रेन पर कब्जा कर लिया था जिसके बाद सेना ने बचाव अभियान चलाया था।

> प्राधिकारी यह पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं कि यह विस्फोट किस कारण हुआ। विस्फोट के बाद मार्ग पर ट्रेन परिचालन अस्थायी रूप से बाधित हो गया। अभी तक किसी भी समूह ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है।

महिलाओं के खिलाफ बढ़ रही हिंसा...

गोपालपुर गैंग रेप पर प्रियंका गांधी ने ओडिशा सरकार को घेरा

एजेंसी

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को ओडिशा में 20 वर्षीय महिला के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के बाद ओडिशा की भाजपा सरकार की आलोचना की और दावा किया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ हिंसा हर गुजरते दिन के साथ बढ़ रही है। पुलिस ने बताया कि 20 वर्षीय महिला के साथ ओडिशा के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गोपालपुर समुद्र तट पर एक सुनसान जगह पर करीब 10 लोगों ने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। पीड़िता एक निजी कॉलेज की स्नातक छात्रा है, जिसने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसके बाद गोपालपुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में कहा कि ओडिशा के गोपालपुर में 10 लोगों द्वारा एक छात्रा के साथ की गई क्रूरता की निंदा करने के लिए कड़े शब्द भी पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा, ₹ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ हिंसा हर गुजरते दिन के साथ बढ़ रही है। जिस राज्य के मुख्यमंत्री खुद स्वीकार करते हैं कि पिछले पांच सालों में करीब 44,000 महिलाएं और बच्चे गायब हुए हैं, वहां महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता न देना अपने आप में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार है।

घटना रविवार रात की है, जब तीन अन्य महिलाओं के साथ एक निजी मेस में रहने वाली महिला अपने सहपाठी प्रेमी के साथ राजा उत्सव के अवसर पर समुद्र तट पर गई थी। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि जब वे एक सुनसान जगह पर बैठे थे, तभी 10 लोगों का एक समूह उनके पास आया, उसके प्रेमी को पकड़ लिया और बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया।

> घटना रविवार रात की है, जब तीन अन्य महिलाओं के साथ एक निजी मेस में रहने वाली महिला अपने सहपाठी प्रेमी के साथ राजा उत्सव के अवसर पर समुद्र तट पर गई थी। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि जब वे एक सुनसान जगह पर बैठे थे, तभी 10 लोगों का एक समूह उनके पास आया, उसके प्रेमी को पकड़ लिया और बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया।

जाति जनगणना को जमीयत का समर्थन

मुसलमानों से अपील करते हुए बोले मदनी- ये सामाजिक और राजनीतिक जरूरत

> पूर्ण सहयोग का आग्रह करते हुए मदनी ने देश भर के सभी मुसलमानों से जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने प्रत्येक मुस्लिम परिवार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि उनकी जाति की पहचान सही ढंग से दर्ज की गई है, उन्होंने कहा कि यह जानकारी समुदाय को प्रभावित करने वाले भविष्य के नीतिगत निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण है।

एजेंसी

आगामी जाति-आधारित जनगणना का जोरदार समर्थन करते हुए जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने इस अभ्यास को भारत में न्याय, समावेशी शासन और समान संसाधन वितरण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक बताया। मौलाना मदनी ने इस बात पर जोर दिया कि जाति-आधारित जनगणना एक नियमित सरकारी प्रक्रिया से आगे

निकल गई है। उन्होंने कहा, ₹यह अब एक जरूरी सामाजिक और राजनीतिक आवश्यकता है,₹ उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एकत्र किए गए डेटा का नीति निर्माण पर सीधा प्रभाव पड़ेगा, खासकर आरक्षण, सामाजिक कल्याण और विकास योजनाओं जैसे क्षेत्रों में। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सटीक डेटा लाभ और सरकारी योजनाओं तक उचित पहुंच सुनिश्चित करने में मदद करेगा, खासकर हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए जिन्हें लंबे समय से नजरअंदाज किया गया है।

मुस्लिम समुदाय से सक्रिय भागीदारी का आह्वान

पूर्ण सहयोग का आग्रह करते हुए मदनी ने देश भर के सभी मुसलमानों से जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने प्रत्येक मुस्लिम परिवार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि उनकी जाति की पहचान सही ढंग से दर्ज की गई है, उन्होंने कहा कि यह जानकारी समुदाय को प्रभावित करने वाले भविष्य के नीतिगत निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने जमीयत उलमा-ए-हिंद की स्थानीय शाखाओं, मुस्लिम संगठनों, धार्मिक संस्थानों और समुदाय के नेताओं से भी अपील की कि वे जनगणना के दीर्घकालिक प्रभावों के बारे में लोगों को शिक्षित करने और प्रक्रिया के माध्यम से उनकी सहायता करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

हिप्र सरकार विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है: सुक्खू

> सुक्खू ने जनसभा में मौजूद को लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार विकास के नए आयाम स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में।

एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के आनी विधानसभा क्षेत्र में 81.30 करोड़ रुपये की 21 विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद बागा सराहन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार विकास के नए आयाम स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में।

37 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, जांच के दायरे में सिसोदिया और सत्येंद्र जैन

> राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मार्च में एसीबी को स्कूल के कमरों और इमारतों के निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर सिसोदिया और जैन के खिलाफ औपचारिक रूप से जांच करने की मंजूरी दी थी।

ईडी की जांच दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी (एफआईआर) से शुरू हुई है।

एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कथित 2,000 करोड़ रुपये के कक्षा निर्माण अनियमितताओं के मामले में दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में निजी ठेकेदारों के लगभग 37 स्थानों पर छापेमारी की, जिसमें पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन जांच के दायरे में हैं। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने इस बात की जानकारी दी। ईडी की जांच दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी (एफआईआर) से शुरू हुई है।

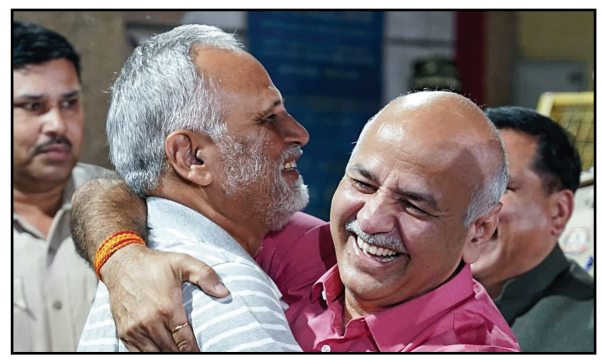

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मार्च में एसीबी को स्कूल के कमरों और इमारतों के निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर सिसोदिया और जैन के खिलाफ औपचारिक रूप से जांच करने की मंजूरी दी थी। एसीबी ने 30 अप्रैल को इस मामले में सिसोदिया (जो पिछली आप सरकार में उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री थे) और पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री जैन के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया था। यह मंजूरी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत मांगी गई थी, जिसके तहत सरकारी अधिकारियों के खिलाफ जांच के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने राष्ट्रपति के फैसले से 11 मार्च को एसीबी को अवगत करा दिया।जब कथित अनियमितताएं हुईं, तब सिसोदिया शिक्षा मंत्री थे, जबकि जैन दिल्ली सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री थे। जुलाई 2018 में केंद्र द्वारा एक संशोधन के माध्यम से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में धारा 17ए डाली गई, जिसके तहत पुलिस, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) या भ्रष्टाचार अपराधों से निपटने वाली किसी भी जांच एजेंसी के लिए सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार से संबंधित किसी भी अपराध में कोई भी जांच या जांच या जांच करने से पहले पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य है।